लखनऊ

रविवार, 5 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 307

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जो आप नहीं कर सकते, उसे आप जो कर सकते हैं उसमें हस्तक्षेप न करने दें। – जॉन वुडन

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

'लखपति दीदी' मिशन को डिजिटल उड़ान, लोकओएस से ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण

नई दिल्ली। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे 'लखपति दीदी' अभियान को अब डिजिटल प्लेटफॉर्म 'लोक ओएस'का बड़ा सहारा मिल रहा है। सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म बड़े स्तर पर लाभार्थियों तक पहुंच, उनकी प्रगति की निगरानी और डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए इस अभियान को और प्रभावी बना रहा है। फिलहाल, 'लोक ओएस' के माध्यम से 6,611 मास्टर ट्रेनर, 4.09 लाख कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सीआरपी), और 3.87 करोड़ संभावित लखपति दीदी का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म पर 18.50 करोड़ डिजिटल आजीविका रजिस्टर भी उपलब्ध हैं, जो आजीविका की योजना बनाने, उसकी निगरानी करने और उसे लागू करने के लिए मजबूत डिजिटल आधार प्रदान करते हैं। 'लोक ओएस', दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विकसित एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य सामुदायिक-आधारित संगठनों की पूरी कार्यप्रणाली को डिजिटल बनाना है। देशभर में इसका विस्तार होने से 'लखपति दीदी'अभियान को नई गति मिली है और ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही यह आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 'लोक ओएस' रियल-टाइम मॉनिटरिंग और डिजिटल वित्तीय प्रबंधन के जरिए पारदर्शिता, बेहतर प्रशासन और कार्यकुशलता को बढ़ा रहा है। यह सामुदायिक संस्थाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता की भी प्रभावी निगरानी करता है। अब तक प्लेटफॉर्म के जरिए 9,718.41 करोड़ रुपए का रिवॉल्विंग फंड (आरएफ), 64,607.66 करोड़ रुपए का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) और 38.34 करोड़ रुपए का कम्युनिटी एंटरप्राइज फंड (सीईएफ) ट्रैक किया जा रहा है।

जयराम रमेश का बीजेपी पर बड़ा आरोप: केदारनाथ, बद्रीनाथ दान में चोरी क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को मंदिर ट्रस्टों और बीजेपी शासित राज्य सरकारों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के नाम पर वोट मांगते हुए वे राम का नाम बदनाम कर रहे हैं। ANI से बात करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि राम मंदिर के लिए राम के नाम पर वोट लिए गए, लेकिन राम के नाम को बदनाम किया जा रहा है। हाल ही में केदारनाथ और बद्रीनाथ से जुड़ी बातें सामने आई हैं, जहां दान की रकम भी चोरी की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा शासित राज्यों में इस तरह की अनियमितताएं क्यों सामने आ रही हैं और आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य मंदिर ट्रस्टों का हिस्सा हैं। उन्होंने पूछा, "भाजपा शासित राज्यों में यह चोरी क्यों हो रही है? क्योंकि इस ट्रस्ट में भाजपा और आरएसएस के सदस्य हैं।

'नागरिक देवो भव:' पीएम मोदी का संदेश: भारत का राष्ट्रहित सर्वोपरि, अफवाह फैलाने वाले निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की 'इंडिया फर्स्ट' नीति और प्रभावी कूटनीति की बदौलत वैश्विक ऊर्जा संकट के दौरान भी भारत में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं होने दी गई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और कई देशों में ईंधन संकट गहराया, लेकिन भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए ऊर्जा आपूर्ति को लगातार बनाए रखा।

नरेंद्र मोदी ने राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती हुए लगभग 54,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। वहीं, अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में स्थान-स्थान पर इतनी बड़ी मात्रा में लोगों का एकत्र होना, हम सबको आशीर्वाद देना। ये दिखाता है कि भाजपा सरकार के प्रयासों पर आपका विश्वास कितना बुलंद है। मैं इस समर्थन और स्नेह के लिए राजस्थान की माटी का ऋणी हूं। उन्होंने कहा कि ये धरती अनगिनत वीरों के शौर्य की साक्षी रही है। इस रण के कण-कण ने हमें स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने की सीख दी है। और व्यक्ति एवं देश का स्वाभिमान तभी ऊंचा रह सकता है, जब वो आत्मनिर्भर हो, दूसरों पर कम से कम निर्भर हो। आज राजस्थान की इस धरती से भारत ने विकसित और आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। राजस्थान के बालोतरा स्थित पचपदरा में भारत के पहले एकीकृत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल प्लांट राष्ट्र को समर्पित करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं और कई देशों में डीजल की कीमतों में करीब 40 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई। इसके बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई।

उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों ने पेट्रोल संकट की अफवाहें फैलाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। देश में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई में किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं आने दी गई।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने केवल अपनी जरूरतें ही पूरी नहीं कीं, बल्कि 40 से अधिक देशों को रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात भी जारी रखा। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया को यह संदेश गया कि भारत के लिए सबसे पहले देश और उसके नागरिकों का हित सर्वोपरि है।

राजस्थान के विकास कार्यों का किया जिक्र

अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों का आभार जताया और राजस्थान को वीरों की धरती बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करेंगे।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान में रिफाइनरी परियोजना की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि वहां तेज गति से काम हुआ है, जो विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान के 54 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा उन्होंने जयपुर मेट्रो परियोजना के विस्तार की भी घोषणा की।

कांग्रेस पर भी साधा निशाना

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जो वादे करती है, उन्हें पूरा भी करती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का फोकस केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारना है। पीएम मोदी ने कहा, 'आज हम राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन यहां कर रहे हैं। हमने 2017 में इसके लिए एएमओयू साइन किया था, लेकिन 2018 से 2023 तक राजस्थान में कांग्रेस सरकार रही। कांग्रेस के कारण यहां का काम लगभग ठप ही रह गया, लेकिन जैसे ही डबल इंजन सरकार आई, इसका काम तेजी से आगे बढ़ा और आज हम इसका लोकार्पण भी कर रहे हैं। प्रधानंत्री ने इसके साथ ही कहा, 'भारत ने अपनी रिफाइनरी क्षमता को लगातार बढ़ाया है अमेरिका में पिछले 50 वर्षों में एक भी नई रिफाइनरी नहीं बनी है। यूरोप की रिफाइनरी क्षमता लगातार कम होती गई है। वहीं भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी रिफाइनरी क्षमता वाला देश बन चुका है।'

2000 रुपये पहुंच सकती थी एलपीजी सिलेंडर की कीमत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक हालात को देखते हुए एलपीजी सिलेंडर की कीमतें 2,000 रुपये तक पहुंच सकती थीं, लेकिन केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर करीब 950 रुपये में उपलब्ध कराए और उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को रसोई गैस की सुविधा सुनिश्चित की।

एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर के आरोपी पति को बचा सकता है कानून? सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें तलाक के मामले में एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर (विवाह-बाह्य संबंध) के आरोपी पति के 'निजता के अधिकार' के दावे को खारिज कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि पत्नी अपने पति पर लगे विवाह-बाह्य संबंध के आरोप को साबित करने के लिए कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और होटल बुकिंग से जुड़ी जानकारी जैसे साक्ष्य जुटाने के लिए अदालत की मदद ले सकती है। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अलग रह रहे पति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दिल्ली हाई कोर्ट के 10 मई, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। गुरुवार को अपील खारिज करते हुए पीठ ने कहा, 'दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हमें हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती।'

10 मई, 2023 को दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि कानून विवाह-बाह्य संबंध को तलाक का वैध आधार मानता है। ऐसे में किसी विवाहित पुरुष पर यदि विवाह के दौरान किसी अन्य महिला के साथ यौन संबंध रखने का आरोप है, तो केवल 'निजता के अधिकार' का हवाला देकर उसे कानूनी संरक्षण नहीं दिया जा सकता। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी उल्लेख किया था, जिसमें कहा गया था कि निजता का अधिकार संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकार है, लेकिन यह पूर्ण या असीमित अधिकार नहीं है। जनहित में इस पर उचित और वैधानिक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

किस आदेश को दी गई थी चुनौती?

हाई कोर्ट यह टिप्पणी उस व्यक्ति की याचिका खारिज करते हुए कर रहा था, जिसने फैमिली कोर्ट के 14 दिसंबर, 2022 के आदेश को चुनौती दी थी। फैमिली कोर्ट ने होटल को निर्देश दिया था कि वह पिछले वर्ष 29 अप्रैल से 1 मई के बीच एक विशेष कमरे की बुकिंग, भुगतान संबंधी जानकारी और वहां ठहरने वालों के पहचान पत्र (आईडी प्रूफ) से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखे तथा उन्हें सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे।

दिल्ली सरकार ने खत्म की वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था, सरकारी दफ्तर अब नियमित समय पर खुलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में लागू विशेष व्यवस्थाएं समाप्त करने का फैसला किया है। इसके तहत बुधवार और शनिवार को लागू वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था वापस ले ली गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के सभी कार्यालयों के कार्य समय में भी संशोधन किया गया है। नए आदेश के अनुसार, अब दिल्ली सरकार के सभी कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक नियमित रूप से संचालित होंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के लिए पहले से निर्धारित सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक का कार्य समय यथावत रहेगा और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक मानसून सत्र दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब तीन सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

काशी विश्वनाथ मंदिर में पीएसी जवान की कार्बाइन से चली गोली, 3 श्रद्धालु घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर-4बी के पास शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ड्यूटी पर तैनात पीएसी के एक जवान की कार्बाइन से कथित तौर पर अचानक गोली चल गई। गोली पत्थर से टकराने के बाद उसके छर्रे और गिट्टियां आसपास मौजूद श्रद्धालुओं की ओर उछल गईं, जिससे तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल स्थिति पर नियंत्रण पा लिया।

घायलों की पहचान निक्की गुप्ता, राम बाबू और विकास यादव के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा तीनों घायलों को मंडलीय चिकित्सालय, कबीरचौरा भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी की हालत सामान्य बताई है। किसी भी घायल को गंभीर चोट नहीं आई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार सुबह करीब सात बजे हुई। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान पीएसी जवान की कार्बाइन से गलती से फायर हो गया। गोली सीधे किसी व्यक्ति को नहीं लगी, बल्कि पत्थर से टकराने के बाद उसके छर्रे और पत्थर के छोटे टुकड़े आसपास खड़े लोगों को लगे, जिससे वे घायल हो गए। घटना के बाद मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एहतियात के तौर पर मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटा लिए हैं और संबंधित पीएसी जवान से भी पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला कार्बाइन से आकस्मिक फायरिंग का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना की विस्तृत जांच कराई जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गोली किन परिस्थितियों में चली और कहीं सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही तो नहीं हुई। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीजेआई को लिखे पत्र पर सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस को घेरा, कहा- यह लोकतंत्र को कमज़ोर करने की कोशिश

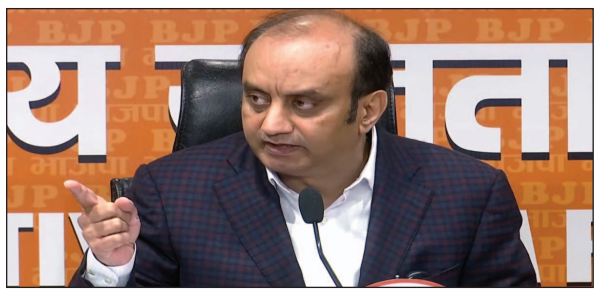

नई दिल्ली, एजेंसी। लगभग दो दर्जन विपक्षी दलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को पत्र लिखकर चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के 'विशेष गहन संशोधन' (SIR) पर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया से लोकतंत्र कमजोर हो सकता है और सुप्रीम कोर्ट से दखल देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि इस संयुक्त पत्र पर 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने का फैसला 8 जून को हुई 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में लिया गया था। भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के इस कदम की कड़ी आलोचना की है। पार्टी के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इस पत्र को लोकतंत्र को कमज़ोर करने की नाकाम कोशिश बताया है। त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, भारत के मुख्य न्यायाधीश को लिखे गए पत्र और कुछ राजनीतिक दलों द्वारा लोकतंत्र को कमज़ोर करने की नाकाम कोशिश की कड़ी निंदा करती है। इस पूरे मामले के दो पहलू हैं: एक कानूनी और दूसरा राजनीतिक।

उन्होंने तर्क दिया कि अदालतों ने बार-बार 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (विशेष गहन पुनरीक्षण) को सही ठहराया है और इसे चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर की जाने वाली एक कानूनी और सामान्य प्रक्रिया बताया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक नज़रिए से देखें तो वे अदालत के सामने एक भी तथ्यात्मक मुद्दा पेश नहीं कर पाए। इससे लोगों के मन में यह शक पैदा हुआ है कि संदिग्ध वोटरों के भरोसे राज्यों में सत्ता हासिल करने का उनका सपना अब टूट रहा है।

त्रिवेदी ने कांग्रेस पर इस मुद्दे पर अलग-अलग बातें कहने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस नेता शशि थरूर का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि थरूर ने पहले माना था कि केरल में वोटर लिस्ट में सुधार की ऐसी ही प्रक्रिया से फ़र्ज़ी वोटरों को हटाने पर कांग्रेस को फ़ायदा हुआ था। उन्होंने कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार के उस निर्देश का भी ज़िक्र किया जिसमें उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से SIR प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने को कहा था।

आतंकवाद पर भारत सरकार का बड़ा प्रहार: केंद्र ने UAPA के तहत जैश और लश्कर से जुड़े 23 आतंकियों को किया ब्लैकलिस्ट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सीमा-पार से संचालित हो रहे आतंकी नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार (4 जुलाई, 2026) को एक आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन जारी करते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत 23 पाकिस्तान स्थित अपराधियों को 'आतंकवादी' घोषित कर दिया है। ये सभी आतंकी पाकिस्तान में बैठकर लश्कर-ए-तैयबा (LeT), जैश-ए-मोहम्मद (JeM) और द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) जैसे खूंखार संगठनों के लिए काम कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि ये लोग कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी भर्ती, घुसपैठ, ट्रेनिंग, ड्रोन के ज़रिए हथियार सप्लाई करने और हमलों की योजना बनाने में शामिल थे।

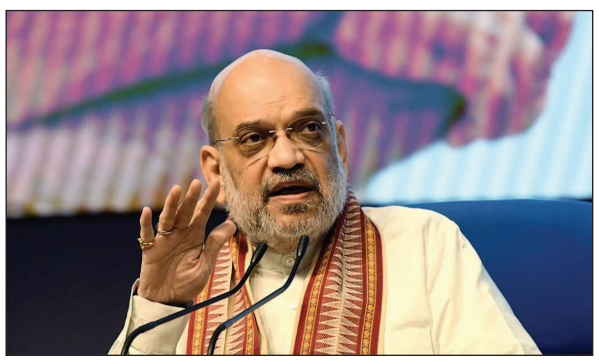

इन 23 लोगों में से तीन LeT के संस्थापक हाफ़िज़ मुहम्मद सईद के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं, तीन कथित तौर पर 2016 में नगरोटा में आर्मी कैंप पर हुए आतंकी हमले में शामिल थे, और दो कथित तौर पर 2018 में सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर हुए आतंकी हमले में शामिल थे।

गृह मंत्रालय ने नोटिफिकेशन में सईद के करीबी सहयोगियों की पहचान अब्दुल रऊफ़, हाफ़िज़ खालिद वलीद और राणा इफ़्तिखार के तौर पर की है। गृह मंत्रालय ने कहा, ₹54 साल के राणा इफ़्तिखार जिहादी विरोधी संगठनों के बीच तालमेल बिठाते हैं, युवाओं को आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाते हैं और हाफ़िज़ सईद के करीबी सहयोगी हैं। 52 साल के अब्दुल रऊफ़, जो LeT और जमात-उद-दावा से जुड़े हैं, आतंकी गतिविधियों की योजना बनाने और तालमेल बिठाने, फ़ंड इकट्ठा करने में शामिल हैं और हाफ़िज़ मुहम्मद सईद की सीधी कमान में LeT के मुख्य आतंकवादियों में से एक हैं।'

गृह मंत्रालय का आधिकारिक नोटिफिकेशन पढ़ें

केंद्र का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कई सुरक्षा और जांच एजेंसियां सीमा पार के उन आतंकी नेटवर्क पर नज़र रख रही हैं, जिन पर जम्मू-कश्मीर में उग्रवादी गतिविधियों को जारी रखने के लिए ड्रोन, एनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफ़ॉर्म और ऑनलाइन भर्ती चैनलों का इस्तेमाल करने का आरोप है।

घोषित आतंकवादियों के बारे में सब कुछ जानें

मसूद इलियास कश्मीरी (JeM) का नाम 2022 में सुंजवान आर्मी कैंप पर हुए हमले की साज़िश से जुड़ा है।

मुहम्मद मुसद्दिक (JeM) पर सुंजवान हमले के लिए घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों में तालमेल बिठाने का आरोप है। मुफ़्ती मोहम्मद असगर खान की पहचान 2016 के नगरोटा आर्मी कैंप हमले से जुड़े घुसपैठ नेटवर्क के एक मुख्य संचालक के तौर पर की गई है। हाफ़िज़ अब्दुल शकूर पर आरोप है कि उसने 2016 के नगरोटा हमले से पहले स्थानीय नेटवर्क से संपर्क बनाए रखा और घुसपैठ में मदद की।

अब्दुल्ला जिहादी (शाह नवाज़/अल हिजामा) पर नगरोटा हमले में शामिल आतंकवादियों की मदद करने और JeM के कई कैंप चलाने का आरोप है।

फ़िरदौस अहमद भट (LeT) का संबंध घुसपैठ और लॉजिस्टिकल सपोर्ट से रहा है; उसे लश्कर के लिए 'लॉन्चिंग कमांडर' के तौर पर पहचाना गया है।

बिलाल अहमद मीर, उर्फ़ अहमद भाई (LeT/TRF) पर सीमा पार आतंकी गतिविधियों की साज़िश रचने और लश्कर व TRF के लिए हथियार सप्लाई करने का आरोप है।

इस नोटिफ़िकेशन में कुल 23 लोगों के नाम हैं जो अलग-अलग आतंकी गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। सरकार के मुताबिक, ये सभी लोग आतंकवादियों की भर्ती, ट्रेनिंग, फ़ंडिंग, हथियार सप्लाई, घुसपैठ और आतंकी हमलों को अंजाम देने जैसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

कोका-कोला की बॉटलर कंपनी में करोड़ों का गबन, डाटा चोरी कर खोली अपनी फर्म, दो पूर्व प्रबंधकों पर मुकदमा दर्ज

कोका-कोला बॉटलर कंपनी में गबन और डेटा चोरी का मामला

दो पूर्व प्रबंधकों पर ₹68 लाख से अधिक के गबन का आरोप

मुकदमा दर्ज किया गया है, साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

-सय्यद अली अब्बास डीसीपी सिटी

आर्यावर्त क्रांति

आगरा। ताजनगरी में कोका-कोला और उसके सह-उत्पादों का उत्पादन व वितरण करने वाली नामचीन कंपनी 'वृंदावन एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड' और उसकी सहयोगी फर्म 'एसएलएमजी बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड' में गबन और डेटा चोरी का एक बड़ा मामला सामने आया है।

कंपनी के विधि प्रबंधक (लीगल मैनेजर) ने इस संबंध में आगरा के पुलिस आयुक्त (पुलिस कमिश्नर) से लिखित शिकायत कर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी।

इस शिकायत के बाद हरीपर्वत थाने में दी गई तहरीर में कंपनी के ही दो पूर्व उच्च पदस्थ कर्मचारियों-पूर्व सेल्स मैनेजर जसप्रीत पुरी और पूर्व एरिया सेल्स मैनेजर भरत कुमार जैन सहित अन्य के खिलाफ संगठित गिरोह चलाकर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और गबन करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

आरोप है कि डेटा चोरी कर बनाईं समानांतर फर्में, शर्तों का उल्लंघन किया गया है। दर्ज मुकदमे के अनुसार, आरोपी जसप्रीत पुरी ने करीब 12 वर्ष 9 माह और भरत कुमार जैन ने 10 वर्ष 7 माह तक कंपनी में सेवाएं दीं। इस लंबी अवधि के दौरान उन्होंने कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर्स, रिटेलर्स और ग्राहकों के साथ गहरे व्यापारिक संबंध स्थापित कर लिए। आरोप है कि दोनों ने नौकरी के नियुक्ति पत्र में दर्ज गोपनीयता की शर्तों का सरेआम उल्लंघन किया।

भरत कुमार जैन ने अप्रैल 2025 में इस्तीफा देकर तत्काल 'पवन एंटरप्राइजेज' नाम की फर्म खोल ली, जबकि जसप्रीत पुरी ने जुलाई 2025 में नौकरी छोड़ने के बाद 'जैज एंटरप्राइजेज' नाम से प्रोप्राइटर फर्म रजिस्टर्ड करा ली।

हरीपर्वत थाने में कंपनी के अधिकारी ने दर्ज कराया मुकदमा

कंपनी का आरोप है कि आरोपियों ने एक सुनियोजित साजिश के तहत कंपनी के आधिकारिक लैपटॉप से डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहकों का बेहद गोपनीय व महत्वपूर्ण डेटा और व्यावसायिक रिकॉर्ड पूरी तरह डिलीट कर नष्ट कर दिया ताकि उसे दोबारा रिकवर न किया जा सके। यही नहीं, आरोपियों ने इस चुराए गए डेटा का इस्तेमाल कर हाथरस रोड और मलपुरा (आगरा) में बड़े डिपो खोलकर समानांतर व्यापार शुरू कर दिया, जहां कथित तौर पर अन्य राज्यों से लाया गया प्रतिबंधित माल भारी मात्रा में भंडारित किया गया है।

कंपनी का डाटा चोरी करने का आरोप नौकरी छोड़कर खोली अपनी

इसके अतिरिक्त, व्यापारिक नियमों को ताक पर रखकर दोनों आरोपियों ने कंपनी के एक अन्य पूर्व कर्मचारी वैभव सचदेवा और कुछ अज्ञात सहयोगियों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह की तरह काम किया। नियमानुसार किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर को डिस्काउंट (छूट) या क्लेम देने के लिए कंपनी के जोनल वाइस प्रेसिडेंट (ZVP), सीईओ या जनरल मैनेजर से ईमेल पर मंजूरी लेना अनिवार्य था। परंतु आरोपियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अंधेरे में रखकर, खुद ही फर्जी तरीके से अनधिकृत ईमेल के जरिए 'वॉलमार्ट होलसेल प्राइवेट लिमिटेड' जैसी कंपनियों को नियमों के खिलाफ जाकर बहुत कम दामों पर उत्पाद बेच दिए।

69लाख रुपये गबन करने का आरोप

अकेले वॉलमार्ट के आर्डर में अप्रैल और मई 2025 के बीच ₹39,51,609/- की छूट का अवैध खेल कर गबन किया गया। तहरीर के अनुसार, आरोपियों द्वारा अब तक कुल ₹68,94,811.44 का सीधा वित्तीय गबन प्रमाणित हो चुका है, जिसका इस्तेमाल उन्होंने अपने निजी व्यापार को चमकाने में किया है।

फर्जी ईमेल के जरिए भारी डिस्काउंट और ₹68 लाख से अधिक का गबन

तहरीर में वित्तीय धोखाधड़ी का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। आरोप है कि जसप्रीत पुरी ने कंपनी के एक बड़े डिस्ट्रीब्यूटर 'एयर प्लाजा रिटेल होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड' (मथुरा) से आए माल के आर्डर की आपूर्ति तो कंपनी से करा दी, लेकिन उससे प्राप्त ₹29,43,202/- की धनराशि कंपनी के खाते में जमा ही नहीं की।

आगामी 11 जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण एवं हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संगठन द्वारा जिले में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इसी क्रम में सुल्तानपुर इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पौधरोपण अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में अभियान की तिथि, स्थान, सहभागिता एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में महामंत्री अयोध्या मण्डल नीरज तिवारी, जिलाध्यक्ष रामानन्द मिश्रा, महामंत्री फरीद अहमद अर्शी ब्लाक अध्यक्ष कुड़वार धर्मेंद्र कुमार तिवारी उपाध्यक्ष विजय प्रकाश तिवारी, महामंत्री ओम प्रकाश शर्मा संगठन मंत्री रामराज पांडेय सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

ससुराल से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के देहली बाजार स्थित पेट्रोल पंप के समीप शनिवार को सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले एक युवक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बल्दीराय भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान जगत पाल (30) पुत्र हितलाल, निवासी ग्राम सेमरौना, थाना धनपतगंज, जनपद सुलतानपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अयोध्या जनपद के कुमारगंज क्षेत्र स्थित अपनी ससुराल से बाइक द्वारा अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान देहली बाजार के पास वह सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुए सड़क हादसे का प्रतीत हो रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुकान से साबुन लेकर घर जा रही 5 वर्षीय बालिका को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, चली गई जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। गंगापार में दर्दनाक सड़क हादसे में मासूम की जान चली गई। उतरांव क्षेत्र के खोदायपुर के मजरा कसिया का पूरा गांव में शनिवार सुबह पांच वर्षीय बालिका को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब बालिका घर के पास दुकान से साबुन खरीदने गई थी।

ट्रक चालक पुलिस हिरासत में

कसिया का पूरा गांव निवासी लवकुश की पांच वर्षीय पुत्री सुनैना सुबह लगभग नौ बजे घर के बगल स्थित दुकान से साबुन खरीदकर घर आ रही थी। उसी समय जलालपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक उसे रौंदते हुए निकल गई। लोगों ने ट्रक का पीछे किया और सहसों में ट्रक को पकड़ लिया। मौके पर पहुंची उतरांव पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है।

शव रख मार्ग अवरुद्ध किया

आक्रोशित स्वजन व ग्रामीणों ने मार्ग को शव रख अवरुद्ध कर दिया। वे ट्रक मालिक को मौके पर बुलाने तथा आरोपित ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। उतरांव थाना पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास कर रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि सुनैना एक भाई एक बहन में बड़ी थी। उसकी मौत से मां राजपती देवी सहित अन्य स्वजन के आंसू नहीं रुक रहे हैं। गांव में भी गमगीन माहौल है।

सूबे के कबीना मंत्री के आगमन पर तैयारी जोरो पर

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री खाद्य रसद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन दुबेपुर ब्लॉक के ग्राम सभा कतकौली निवासी डॉ. मनोज पांडे का आगमन दिनांक 6 जुलाई दिन सोमवार दोपहर 12.00 बजे पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार में होगा जहां पर प्रबुद्ध सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे. शांय काल 4.00 बजे ग्राम सभा कतकौली में स्वर्गीय राम यज्ञ शुक्ला इंटरमीडिएट कॉलेज में आयोजित स्वास्थ्य मेले को संबोधित करेंगे उक्त जानकारी डॉ. मनोज पांडे के सुल्तानपुर जनपद के संगठन प्रतिनिधि से हुआ। इस कार्यक्रम के आयोजन समिति के सदस्य पंडित रुपेश शुक्ला, पंडित नवल किशोर मिश्रा एवं डॉक्टर डीएस मिश्रा ने संयुक्त रूप से दी है। उन्होंने बताया है कि पूरे जनपद के कोने-कोने से लोग जनपद में पहुंचेंगे जहां अपने नेता का स्वागत करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी के लिए एक आयोजन समिति का निर्माण किया गया है।

सार्वजनिक रास्ते पर कथित कब्जे से ग्रामीण परेशान

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। तहसील बल्दीराय क्षेत्र के ग्राम बघौना में सार्वजनिक रास्ते पर कथित अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। गांव निवासी इंद्रदेव पुत्र स्वर्गीय विन्देश्वरी प्रसाद ने उपजिलाधिकारी बल्दीराय को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम सभा की भूमि से अतिक्रमण हटवाने की मांग की।

उप जिलाधिकारी प्रवीण कुमार ने शिकायत को तुरंत संज्ञान में लेते हुए संबंधित लेखपाल को मौके पर रास्ते से अतिक्रमण हटाए जाने का आदेश दिया लेखपाल मौके पर गए तो दबंग ने अवैध अतिक्रमण हटाने से मना कर दिया। शिकायत के अनुसार, ग्राम सभा की गाटा संख्या 1370 राजस्व अभिलेखों में सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है। आरोप है कि उक्त भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर रास्ते के दोनों ओर लोहे के तार लगा दिए गए हैं, जिससे आमजन का आवागमन बाधित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कारण उन्हें दैनिक कार्यों के लिए आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें धमकियां दी गईं। मामले को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से राजस्व विभाग एवं पुलिस बल की संयुक्त मौजूदगी में अतिक्रमण हटवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में रास्ता अवरुद्ध होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सार्वजनिक रास्ते को शीघ्र कब्जामुक्त कराकर आवागमन बहाल करने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

स्वास्थ्य विभाग के जनकल्याण अभियानों में उत्कृष्ट सहभागिता पर मिला सम्मान

सुलतानपुर। जनपद में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं जागरूकता अभियानों में उल्लेखनीय सहयोग देने पर बेसिक शिक्षा परिषद, सुलतानपुर में कार्यरत सहायक अध्यापिका अनुपम शुक्ला को जिला स्वास्थ्य सेवा समिति द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण की ओर से उनके स्वास्थ्य विभाग में उत्कृष्ट सहयोग और योगदान के लिए प्रदान किया गया। प्रशस्ति-पत्र में उल्लेख किया गया है कि अनुपम शुक्ला ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान, पल्स पोलियो कार्यक्रम, कैंसर जागरूकता अभियान, रक्तदान शिविर, आयुष्मान भारत, संचारी रोग नियंत्रण अभियान, पोषण अभियान सहित अन्य स्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता में सक्रिय भागीदारी निभाई।

10,075 फीट पर विश्व रिकार्ड बनाने के बाद 16,580 फीट ऊंचे शिंकुन ला दर्रे तक पहुंचे जवान

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। रोहतांग स्थित अटल टनल में 10,075 फीट की ऊंचाई पर विश्व रिकार्ड बनाने के बाद भारतीय सेना की कोर आफ सिग्नल्स का राष्ट्रव्यापी मोटरसाइकिल अभियान 'व्हील्स आफ वैलर : संचार शक्ति' अब अपने सबसे कठिन चरण में पहुंच गया है।

अभियान के राइडर्स 16,580 फीट ऊंचे शिंकुन ला पहुंच चुके हैं। शिंकुन ला दर्रे की चुनौती पार करते हुए वह द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पहुंचेंगे, जहां कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

मेरठ छावनी स्थित टू आर्मी हेडक्वार्टर सिग्नल रेजिमेंट से निकली बाइक रैली ने अटल टनल में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करने के बाद पलचन से आगे बढ़ी। लगभग 115 किलोमीटर की दुर्गम पर्वतीय

यात्रा के दौरान राइडर्स ने संकरे पहाड़ी मार्गों, तीखी चढ़ाइयों, हेयरपिन मोड़ों, ऊबड़-खाबड़ सड़कों और लगातार बदलते मौसम के बीच अपनी यात्रा जारी रखी।

10 सैनिकों व अफसरों की टीम की अगुवाई कर रहे कर्नल सुमित भारद्वाज के अनुसार यह सफर भारतीय सैनिकों के साहस, अनुशासन, धैर्य और अटूट संकल्प का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि 10,075 फीट से 16,580 फीट तक का यह सफर केवल ऊंचाई हासिल करने का नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में मानवीय सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता, परिचालन क्षमता और टीमवर्क की वास्तविक परीक्षा भी है। अधिक ऊंचाई पर आक्सीजन का स्तर कम होने और मौसम के लगातार प्रतिकूल होते जाने के बावजूद अभियान निर्धारित गति और अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है।

कर्नल भारद्वाज का कहना है कि 'व्हील्स आफ वैलर : संचार शक्ति' केवल एक मोटरसाइकिल अभियान नहीं, बल्कि कोर आफ सिग्नल्स की उस भावना का प्रतीक है, जो युवाओं को साहस, अनुशासन, नवाचार और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती है।

अभियान के अगले चरण में राइडर्स शिंकुन ला से द्रास पहुंचकर कारगिल युद्ध स्मारक पर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। अभियान का उद्देश्य कारगिल के अमर वीरों के शौर्य और बलिदान को देशभर तक पहुंचाना है।

आधे घंटे की बारिश में डूबा मथुरा, कारें-बाइक पानी में समाईं, अंडरपास बने तालाब

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा में शुक्रवार दोपहर हुई आधे घंटे की तेज बरसात में शहर के नाले-नालियां उफान मारने लगे और जगह-जगह भयंकर जलभराव हो गया। कई स्थानों पर पानी भर जाने के कारण आवागमन बाधित हो गया। नए बस स्टैंड और भूतेश्वर अंडरपास पर निर्माण कार्य ने राहगीरों की मुश्किलें और बढ़ा दी। अंडरपास के नीचे कई फीट पानी भर गया, गुजरते समय कई वाहन डूब गई। किसी तरह ट्रैफिक पुलिस ने कार सवारों को बाहर निकाला और फिर क्रेन से कार खींची गई। फिर दोनों अंडरपासों पर जेसीबी लगाकर वाहनों का आवागमन रोका।

तेज धूप और उमस भरी गर्मी के साथ लोगों की सुबह हुई। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया उमस और बढ़ती गई। करीब 11 बजे अचानक मौसम ने करवट बदली और बादलों की आवाजाही शुरू हो गई। थोड़ी देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। आधे

घंटे की वर्षा में शहर के भूतेश्वर चौराहा रेलवे पुल के नीचे कई फीट पानी भर गया। नगर निगम ने यहां पर जेसीबी से बैरिकेडिंग कराकर आवागमन बंद कर दिया। इसी तरह नया बस स्टैंड रेलवे पुल के नीचे भी पानी भर जाने के कारण आवागमन बंद किया गया और पंप सेट लगाकर जलनिकासी का कार्य शुरू हुआ।

भूतेश्वर चौराहे पर पाइप लाइन के पंप सेट लगाने का कार्य चल रहा है और नए बस स्टैंड रेलवे पुल पर नई रेल लाइन बिछाई जा रही है। दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य ने राहगीरों की और मुसीबत बढ़ा दी। आवागमन बंद होने से राहगीर जान जोखिम डालकर रेलवे लाइन से गुजरते रहे। इधर, बारिश से श्रीजी बाबा आश्रम, कृष्णा नगर, शंकर विहार, राधिका विहार, महोली रोड, चंदनवन समेत कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। हालांकि बारिश बंद होने के कई घंटे बाद यातायात व्यवस्था पटरी पर लौटी और आवागमन सुचारू किया।

लगातार बारिश से और बिगड़ सकते हैं हालात

चंद मिनटों की बारिश ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी, जबकि मानसून से पहले ही नाले-नालियों की सफाई का दावा किया जा रहा था। अब आधे घंटे की बारिश में नाले-नालियों उफान मारने लगे। इनसे निकला कूड़ा-कचरा सड़कों पर बहने लगा। शहर की कई कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। इससे साफ है कि अगर दो या तीन घंटे तक लगातार बारिश हुई तो शहर की हालात और बिगड़ सकते हैं।

बारिश के बाद मौसम सुहावना, 8 को फिर होगी बारिश

शुक्रवार को दिन में हुई बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। वहीं पिछले कई दिन से गर्मी से परेशान लोगों को भी राहत मिली। मौसम विभाग ने आज और कल बूंदाबांदी तथा 8 जुलाई को जोरदार बारिश होने की उम्मीद जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को आधा घंटे की बारिश से गर्मी से राहत मिली है। उन्होंने बताया कि आज और कल हल्की बूंदा-बांदी हो सकती है। दोनों दिन 4.30 मिलीमीटर बारिश होने की उम्मीद है। आठ जुलाई को 15 से 16 मिलीमीटर बारिश होने की उम्मीद है।

बेपटरी हुई यातायात व्यवस्था, गलियों से निकले राहगीर

बारिश बंद होने के बाद अचानक मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने लगा, जिससे शहर के मुख्य चौराहे और संपर्क मार्ग भीषण जाम लग गया। सबसे ज्यादा खराब स्थिति भूतेश्वर चौराहा, नया बस स्टैंड, कृष्णा नगर और महोली रोड के आसपास देखने को मिली। जलभराव के कारण भूतेश्वर और नए बस स्टैंड अंडरपास पहले से ही बंद थे, जिसके चलते सारा ट्रैफिक डायवर्ट होकर वैकल्पिक मार्गों पर आ गया। संकरी सड़कों पर अचानक गाड़ियों का रेला उमड़ने लगा तो रिंग रोड और अंदरूनी मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मुख्य चौराहों पर स्थिति को संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

महिला अस्पताल में जलभराव, मरीज रहे परेशान

बारिश के कारण महिला अस्पताल आए मरीज और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अचानक हुई बारिश के कारण अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने जलभराव हो गया। गंदे पानी से होकर मरीजों और तीमारदारों को ओपीडी तक जाना पड़ा। गोवर्धन से अपनी गर्भवती पुत्रवधू आरती के साथ आई सावित्री देवी ने बताया कि बारिश के कारण अस्पताल के मुख्य द्वार पर जलभराव हो गया। इसी जलभराव के बीच होकर उन्हें और उनकी पुत्रवधू को चिकित्सक के पास जाना पड़ा। इसी तरह राया से अपने बच्चे को दिखाने के लिए आई काजल चौधरी ने बताया कि मुख्य द्वार पर बारिश के साथ नाली का पानी काफी देर तक भरा रहा। बारिश बंद होने के बाद भी जलभराव खत्म नहीं हुआ। इसी जलभराव से होकर मरीज और उनके साथ आए लोगों को गुजरना पड़ा।

पंप लगाकर शुरू कराई जल निकासी

तेज बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने प्रभावित स्थलों पर पहुंचकर जल निकासी शुरू कराई। नए बस स्टैंड रेलवे अंडरपास पर रेलवे की तीसरी लाइन बिछाने के लिए चल रही खुदाई के कारण पूर्व की जल निकासी व्यवस्था क्षतिग्रस्त होने से करीब 4.5 से 5 फीट पानी भर गया। नगर निगम ने यहां चार अस्थायी पंपसेट लगाकर पानी निकालना शुरू किया। वहीं भूतेश्वर अंडरपास पर हाल ही में डाली गई 800 मिमी ग्रेविटी पाइपलाइन के चलते जल निकासी पहले की तुलना में तेजी से हुई और करीब ढाई घंटे में मार्ग को चालू करा दिया गया। यहां तीन पंपसेट भी लगाए गए। सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार सहित निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को जल निकासी और यातायात व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

नकारात्मक राजनीति कर रहा विपक्ष लखनऊ में नितिन नवीन का हमला, संगठन मजबूत करने पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ में भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 में भी लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से यूपी में डबल इंजन की सरकार बनेगी। डबल इंजन की सरकार ने कार्यों का कीर्तिमान बनाया है। मोदी-योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया है। उन्होंने साफ कहा कि सपा-कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए वे जनता का ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें विपक्ष के झांसे में नहीं आना है। हमें यूपी के विकास के लिए काम करना है। किसी के दिल में अगर जगह बनानी है, तो उस तक पहुंचना पड़ेगा। आपको हर गांव में प्रवास करना है। हर घर, हर

व्यक्ति तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि आपको हर मतदाता तक डबल इंजन सरकार की योजनाओं एवं पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पहुंचाना होगा।

लखनऊ में नितिन नवीन का भव्य स्वागत

नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ के अपने दो दिन के सांगठनिक दौरे के दौरान, शहर की संस्कृति और अध्यात्मिक विरासत के लिए अपनी गहरी श्रद्धा जाहिर की, और राज्य के ऐतिहासिक महत्व का सम्मान किया। नितिन नवीन ने शहर पहुंचने पर राज्य के नेताओं से मिले गर्मजोशी भरे स्वागत को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मैं उत्तर प्रदेश में लखनऊ की इस पवित्र धरती को नमन करता हूं। यह भगवान राम की धरती है, भगवान शिव की नगरी है, भगवान कृष्ण की नगरी है। मैं इस धरती को नमन करता हूं। मुझे अटल बिहारी वाजपेयी भी याद हैं। यह उनका इलाका है। लोगों ने हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया हैमैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं।'

बीजेपी का यूपी मिशन 2027

इससे पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने, राज्य बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ नितिन नवीन का चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत किया, जिससे राज्य के दो दिन के अहम सांगठनिक दौरे की शुरुआत हुई। अगले साल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव समेत आने वाले राजनीतिक घटनाक्रमों से पहले पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए इस दौरे को अहम माना जा रहा है। अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह दौरा अहम है और इसका मकसद पार्टी की रणनीति को बेहतर बनाना, नई बनी राज्य इकाई को गाइड करना और संगठन को मजबूत करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का लखनऊ में भव्य स्वागत, मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर किया अभिनंदन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नबीन के पहली बार लखनऊ आगमन पर राजधानी में उनका भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुष्पगुच्छ भेंट कर और भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों से राष्ट्रीय अध्यक्ष का परिचय भी कराया।दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर उत्तर प्रदेश पहुंचे नितिन नबीन के स्वागत के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश सरकार के मंत्री और संगठन के अनेक पदाधिकारी एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। स्वागत के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर

नितिन नबीन के स्वागत को लेकर संदेश साझा करते हुए लिखा कि प्रभु श्रीराम और लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण की चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, ए.के. शर्मा, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', संजय निषाद, दारा सिंह चौहान और जेपीएस राठौर शामिल रहे।इसके अलावा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, संजय सेठ और ब्रजलाल, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए उपस्थित रहे।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दो दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान संगठनात्मक बैठकों, जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श तथा पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी संगठन की दृष्टि से इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजस्व परिषद के न्यायालयों में अब प्रमाणित स्कैन प्रतियों पर होगी सुनवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजस्व न्याय व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में राजस्व परिषद ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब राजस्व परिषद के न्यायालयों में किसी भी वाद की सुनवाई के लिए सामान्यतः मूल अभिलेखों के स्थान पर संबंधित अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रमाणित पूर्ण स्कैन प्रति के आधार पर ही न्यायिक कार्यवाही की जाएगी। यह नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल के निर्देश पर लागू की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य मूल अभिलेखों का सुरक्षित संरक्षण, न्यायिक प्रक्रिया को अधिक दक्ष और पारदर्शी बनाना तथा मामलों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करना है। परिषद का मानना है कि इससे मूल अभिलेखों को बार-बार एक स्थान से दूसरे स्थान भेजने की आवश्यकता समाप्त होगी, जिससे उनके क्षतिग्रस्त होने, गुम होने अथवा समय पर उपलब्ध न हो पाने जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।नई व्यवस्था के तहत जब भी राजस्व परिषद का न्यायालय किसी वाद से संबंधित अभिलेख तलब करेगा, तब संबंधित अधीनस्थ न्यायालय मूल अभिलेख भेजने के बजाय उसकी प्रमाणित पूर्ण स्कैन प्रति उपलब्ध कराएगा। स्कैन प्रति में वाद से संबंधित प्रत्येक पृष्ठ, परिशिष्ट, मानचित्र, नोटशीट, आदेश पत्रक तथा अन्य सभी संलग्न अभिलेख स्पष्ट और क्रमवार रूप से शामिल करना अनिवार्य होगा।इसके साथ ही प्रत्येक स्कैन प्रति के साथ संबंधित राजस्व रिकॉर्ड कीपर (आरआरके) द्वारा विधिवत प्रमाणित प्रमाण-पत्र संलग्न करना भी अनिवार्य किया गया है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी विशेष मामले में न्यायालय लिखित कारण दर्ज करते हुए मूल अभिलेख प्रस्तुत करने का निर्देश देता है, तभी मूल अभिलेख उपलब्ध कराए जाएंगे। अन्य सभी मामलों में प्रमाणित स्कैन प्रति के आधार पर ही सुनवाई और न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।राजस्व परिषद ने व्यवस्था की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जवाबदेही भी तय की है। यदि किसी स्तर पर अपूर्ण, अस्पष्ट या बिना प्रमाणित स्कैन प्रति भेजी जाती है तो संबंधित राजस्व रिकॉर्ड कीपर को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी माना जाएगा और उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।नई व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिषद ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस प्रणाली से तत्काल अवगत कराएं और इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

राम मंदिर दान प्रकरण पर अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

लखनऊ। राम मंदिर दान प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में देश की जनता जवाब चाहती है और सच सामने आना चाहिए।अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि आखिरकार ₹सुरंगजीवियों₹ को बाहर आना ही पड़ा, क्योंकि अब अपयश का पानी सुरंग में गले तक भर गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गंभीर मामले में स्वयं सामने आने के बजाय दूसरे व्यक्ति को आगे किया गया। उनके अनुसार, देश के 140 करोड़ नागरिकों और देश-विदेश के दानदाताओं के मन में यह सवाल है कि इस प्रकरण में जिम्मेदार लोग सीधे सामने क्यों नहीं आए।सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि यह कोशिश कथित रूप से जनाक्रोश और जवाबदेही से बचने के लिए की गई।

बंद मकानों को निशाना बनाने वाले शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश

स्नातक अभियुक्त गिरफ्तार, लाखों के जेवर और नकदी बरामद, साथी की तलाश जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में बंद पड़े मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की दक्षिणी जोन पुलिस ने गिरफ्तार कर दो चर्चित चोरी की घटनाओं का खुलासा किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन और नगदी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ राजधानी के विभिन्न थानों में चोरी, गैंगस्टर और शस्त्र अधिनियम सहित 28 से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं, जबकि उसका फरार साथी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं

मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनंद के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंत कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर अभिषेक कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना बिजनौर पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार 25 मई 2026 को औरंगाबाद जागीर स्थित रॉयल नगर निवासी शिवांगिनी पाण्डेय ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 24 मई की रात अज्ञात चोर उनके बंद घर का ताला तोड़कर 10 हजार रुपये नकद और आभूषण चोरी कर ले गए। इसके कुछ ही समय बाद लक्ष्मी इन्क्लेव रॉयल सिटी निवासी राजू राय ने भी शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर का ताला तोड़कर 17 हजार रुपये नकद तथा सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए गए। दोनों मामलों में थाना बिजनौर में मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटनाओं के खुलासे के लिए दो विशेष पुलिस टीमें गठित की गईं। पुलिस ने लगभग 400 से 500 सीसीटीवी फुटेज के साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान अमित कुमार रस्तोगी की पहचान सामने आई। इसके बाद शनिवार रात छुआखेड़ा मोड़ के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

संक्षेप

दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में ससुर गिरफ्तार, बहू की शिकायत पर पुलिस की कार्रवाई

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और दुष्कर्म के गंभीर आरोपों से जुड़े मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर दुष्कर्म की धारा जोड़ी गई थी। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि अन्य नामजद आरोपियों के संबंध में विवेचना जारी है।पुलिस के अनुसार 14 जून 2026 को थाना मड़ियांव को प्राप्त एक प्रार्थना पत्र में पीड़िता ने अपने पति, ससुर तथा परिवार के अन्य सदस्यों पर दहेज की मांग, प्रताड़ना, मारपीट, जान से मारने की धमकी और ससुर द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति अभिषेक तिवारी, ससुर मुकेश कुमार तिवारी तथा परिवार की दो अन्य महिलाओं के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 323, 506 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया।

स्वैच्छिक अनुरोध पर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने दो कार्यकारी सहायकों का किया स्थानांतरण

लखनऊ, (आरएनएस)। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत स्वयं के अनुरोध पर दो कार्यकारी सहायकों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। प्रबंध निदेशक की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार दोनों कर्मचारियों को उनकी वर्तमान तैनाती इकाइयों से स्थानांतरित कर निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) के नियंत्रणाधीन मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ में संबद्ध किया गया है।जारी आदेश के अनुसार अयोध्या संवर्ग के कार्यकारी सहायक निखलेश मौर्या को अधिशासी अभियंता, विद्युत परीक्षण खंड, सुलतानपुर से स्थानांतरित कर मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है। इसी प्रकार लखनऊ संवर्ग के कार्यकारी सहायक हरी शंकर को मुख्य अभियंता (वितरण), देवीपाटन क्षेत्र, गोंडा कार्यालय से स्थानांतरित कर निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) के नियंत्रणाधीन मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ में तैनात किया गया है।कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित इकाई प्रमुख और नियंत्रक अधिकारी स्थानांतरित कर्मचारियों को बिना प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए तत्काल कार्यमुक्त करें, ताकि नई तैनाती स्थल पर समयबद्ध कार्यभार ग्रहण कराया जा सके।

हज-2026: बकाया हवाई किराया 13 जुलाई तक जमा करें यात्री, उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति ने जारी की अपील

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति ने हज-2026 के उन यात्रियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर बकाया हवाई किराये की राशि जमा करने की अपील की है, जिन्होंने अब तक संशोधित किराये की शेष धनराशि जमा नहीं की है। समिति ने स्पष्ट किया है कि ऐसे सभी यात्रियों को प्रत्येक स्थिति में 13 जुलाई 2026 तक भुगतान करना होगा।उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने 3 जुलाई 2026 को जारी सर्कुलर संख्या-42 के माध्यम से यह निर्देश जारी किए हैं। इसमें पूर्व में 28 अप्रैल 2026 को जारी सर्कुलर संख्या-39 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि मध्य पूर्व में उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों के कारण अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने हज यात्रियों के हवाई किराये में संशोधन किया था। इसके तहत प्रत्येक हज यात्री को अतिरिक्त 10 हजार रुपये जमा करने के निर्देश दिए गए थे।समिति के अनुसार हज-2026 की सभी वापसी उड़ानें अब पूरी हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में हज यात्रियों ने अभी तक हवाई किराये की शेष राशि जमा नहीं कराई है। ऐसे यात्रियों को अंतिम अवसर देते हुए निर्देश जारी किए गए हैं कि वे 13 जुलाई तक अनिवार्य रूप से निर्धारित पे-इन स्लिप के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक अथवा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में

अभिषेक रावत हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पुरानी रंजिश में धारदार हथियारों से किया गया था हमला ; अन्य आरोपियों की तलाश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में युवक अभिषेक रावत की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पुरानी रंजिश के चलते हुए विवाद में धारदार हथियार, लाठी-डंडों और लोहे के करछुल (बड़े पलटे) से हमला किया गया था, जिसमें गंभीर रूप से घायल अभिषेक रावत की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को ट्रॉमा सेंटर से छुट्टी मिलने के बाद गिरफ्तार कर लिया। मामले में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर

अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनंद के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंत कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ यादव के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक पीजीआई धीरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार 3 जुलाई 2026 को ग्राम जगतखेड़ा मजरा कल्ली पश्चिम निवासी पुष्पा रावत उर्फ क्षवि ने थाना पीजीआई में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनके पुत्र अभिषेक रावत को अखिलेश रावत, अमन रावत, राधे सरकार उर्फ अभिषेक, अरुण रावत, अपिन लोधी, सचिन रावत, शिवम चटियार, राजू उर्फ रज्जा तथा अन्य साथियों ने ग्राम सरथुवा बुलाया। वहां सभी ने मिलकर धारदार हथियारों, लाठी-डंडों और लोहे के करछुल से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के दौरान अभिषेक रावत की मौत हो गई। शिकायत के आधार पर थाना पीजीआई में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर घटना की कड़ियों को जोड़ा। जांच के दौरान पता चला कि घटना के समय घायल हुआ मुख्य आरोपी अखिलेश रावत उपचार के लिए केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती था। शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अखिलेश रावत पुत्र रामलोटन निवासी ग्राम ईश्वरीखेड़ा, थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज थाना क्षेत्र में युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता को पहले ही सकुशल बरामद कर लिया गया था। उसके बयान और विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म तथा पॉक्सो अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई थीं। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई। पुलिस के अनुसार 23 मई 2026 को पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर थाना सआदतगंज में एक युवक के विरुद्ध बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने लगातार तलाश अभियान चलाया और 11 जून 2026 को पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया।विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4 की बढ़ोतरी की गई। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई।शनिवार को मुखबिर की सूचना पर थाना सआदतगंज पुलिस ने फब्बारे तिराहे के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतीश गौतम उर्फ कार्तिक चौधरी पुत्र स्वर्गीय कैलाश के रूप में हुई है। वह वर्तमान में जानकीपुरम क्षेत्र के मड़ियाव गांव में किराये के मकान में रह रहा था, जबकि उसका स्थायी निवास सीतापुर जनपद के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को उसके विरुद्ध दर्ज मुकदमे की जानकारी देकर विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार किया गया है।

सरोजनीनगर में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का भव्य स्वागत, रोड शो में उमड़ी भीड़

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के प्रथम उत्तर प्रदेश आगमन पर सरोजनीनगर में उनका भव्य स्वागत किया गया। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह और रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, किसानों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी भी उपस्थित रहे।राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश पहुंचे नितिन नबीन का सरोजनीनगर की सीमा पर पुष्पवर्षा, अंगवस्त्र और पारंपरिक स्वागत के साथ अभिनंदन किया गया। इसके बाद निकाले गए रोड शो में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। पूरे मार्ग पर भाजपा के झंडों, नारों और स्वागत द्वारों के बीच संगठन की शक्ति का प्रदर्शन देखने को मिला।सभा को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि इस बार लखनऊ आगमन पर किसानों और आम जनता से जो स्नेह, आत्मीयता और समर्थन मिला है, वह इस बात का संकेत है कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है और उत्तर प्रदेश को ₹उत्तम प्रदेश₹ बनाने का अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

बाबा के घर में ही रची चोरी की साजिश, पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा, युवक गिरफ्तार, बाल अपचारी अभिरक्षा में, पूरा चोरी का माल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के महिगवां थाना क्षेत्र में एक परिवार के घर से लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और पूजा घर में रखी चांदी की मूर्तियां चोरी होने की घटना का पुलिस ने महज तीन दिन में खुलासा कर दिया। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार करने के साथ एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया है। दोनों ने पारिवारिक रिश्ते और घर की आंतरिक जानकारी का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने चोरी गया पूरा सामान, 50 हजार रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद कर ली है।पुलिस के अनुसार थाना महिगवां में 1 जुलाई 2026 को बाकेनगर चौराहा, मोहम्मदपुर सरैया निवासी शिव मोहन मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण, 50 हजार रुपये नकद तथा पूजा घर में रखी चांदी की भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की

मूर्तियां चोरी हो गई हैं। शिकायत के आधार पर थाना महिगवां में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर की सूचना और पारंपरिक सुरागरसी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने सौरभ गुप्ता को गिरफ्तार किया, जबकि उसके साथ शामिल एक 17 वर्षीय बाल अपचारी को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत अभिरक्षा में लिया गया।पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पहले से योजना बनाकर बाल अपचारी के बाबा के घर को ही निशाना बनाया। दोनों को घर की पूरी जानकारी थी। रात के समय मकान में प्रवेश कर कमरे और अलमारी के ताले तोड़े तथा सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और पूजा घर में रखी चांदी की मूर्तियां चोरी कर लीं। वारदात के बाद पूरा सामान सौरभ गुप्ता के मामा की कपड़े की दुकान की टांड पर छिपा दिया गया था। दोनों बाद में चोरी के जेवरात बेचकर रुपये आपस में बांटने की योजना बना रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।पुलिस का कहना है कि जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपियों ने पारिवारिक संबंधों और घर की आंतरिक जानकारी का लाभ उठाते हुए घटना को अंजाम दिया। उन्हें यह पता था कि घर में कीमती सामान कहां रखा है, जिससे बिना अधिक समय लगाए चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा सका।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सौरभ गुप्ता पुत्र उमेश गुप्ता निवासी चमकनी करौला बहादुरगंज, जनपद शाहजहांपुर के रूप में हुई है। वर्तमान में वह मोहम्मदपुर सरैया, थाना महिगवां क्षेत्र में रह रहा था। उसके साथ पकड़ा गया दूसरा आरोपी 17 वर्षीय बाल अपचारी है, जिसके विरुद्ध किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी "छोटी बहन" बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुड़ाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना "बड़े भाई" बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है।

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली "यूनिकॉर्न" के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है।

साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और उर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी।

साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है। भारत भी जापान को केवल निवेशक नहीं बल्कि दीर्घकालिक सामरिक सहयोगी के रूप में देख रहा है।

शी-लीप्स : लखपति दीदियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण

महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह उद्यमों के लिए डेटा-संचालित विकास को सक्षम बनाना

शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया है और इसे एलओकेओएस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यान्वित किया गया है

शी-लीप्स का अर्थ समृद्धि और स्थिरता के लिए स्वयं-सहायता उद्यमी-आजीविका और उद्यम एप्लीकेशन है। यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक डिजिटल मंच है। इसे उद्यम निर्माण और प्रदर्शन ट्रैकिंग के लिए एक एकीकृत मंच के माध्यम से किया जा रहा है। शी-लीप्स ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन, उद्यम विकास और वित्तीय समावेशन का समर्थन करता है। यह कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य एक मजबूत और अधिक दीर्घकालिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है।

शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया है और इसे एलओकेओएस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यान्वित किया गया है। एलओकेओएस एक डिजिटल सिस्टम है जिसे भारत भर में सामुदायिक संगठनों (सीबीओ) की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय संघ शामिल हैं। एलओकेओएस सीबीओ की गतिविधियों को डिजिटाइज़ करने में सहायता करता है, जैसे कि सदस्यों के रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और आजीविका संबंधी रिकॉर्ड रखना और समन्वय पहलों पर निगरानी रखना। शी-लीप्स का शुभारंभ 29 जून, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में किया गया। 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' विषय पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार के 'विकसित ग्राम- विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए रणनीतियां तैयार करना था।

शी-लीप्स निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने पर केंद्रित है:

देशभर में ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का सृजन और उन्हें मजबूत बनाना।

ग्रामीण उत्पादकों को औपचारिक मूल्य श्रृंखलाओं से एकीकृत करना।

स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) परिवारों की वित्तीय समावेशन को बढ़ाना।

डेटा आधारित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना।

शी-लीप्स को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाएगा। यह चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की सहायता करेगा। यह प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में उद्यमों का डेटा एकत्र करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की बेहतर जानकारी मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, यह प्रणाली कई स्तरों पर निगरानी को भी मजबूत करती है। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

शी-लीप्स विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय के परिचालन डेटा को एकत्रित करता है और आजीविका की पूरी यात्रा की निगरानी करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रोफाइल निर्माण से लेकर उद्यम प्रदर्शन ट्रैकिंग तक हर चरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल निगरानी को और मजबूत बनाता है, शासन में सुधार करता है और बेहतर योजना, हस्तक्षेप और सूचित नीतिगत निर्णयों को सक्षम बनाता है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा दी जाने वाली सेवाएं इस प्रकार हैं:

शी-लीप्स, आय वृद्धि और उद्यम प्रदर्शन की संपूर्ण निगरानी प्रदान करके लखपति दीदी मिशन को मजबूती प्रदान करेगा। हाल ही में, सरकार ने लखपति दीदी योजना का लक्ष्य 3 करोड़ महिलाओं से बढ़ाकर 6 करोड़ कर दिया है।

सरकार अगले पांच वर्षों में लखपति दीदियों के लाभ के लिए 10 लाख करोड़ रुपये जारी करने की योजना बना रही है। यह महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की एक बड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसलिए, शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन बड़े पैमाने पर उद्यम विस्तार को समर्थन देने की इस योजना का एक अभिन्न अंग है।

शी-लीप्स डिजिटल अवसंरचना, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को मिलाकर ग्रामीण डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम विकास को समर्थन देकर और वित्तीय समावेशन को मजबूत करके, यह मंच लखपति दीदी मिशन को देशव्यापी स्तर पर फैलाने में सहायता करेगा। यह समावेशी और दीर्घकालिक ग्रामीण परिवर्तन का एक प्रमुख प्रेरक बनने के लिए तैयार है।

टिप्पणी

बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी

सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो। मगर, फिलहाल ज्यादातर रकम का इस्तेमाल नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है।

वोट खरीद योजनाएं का असर जाहिर होने लगा है। पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकारों ने बाजार से 15.2 फीसदी ज्यादा कर्ज उठाया। ज्यादा कर्ज लेने की होड़ का असर ब्याज दरों पर दिखा। मतलब यह कि अब सरकारों को अधिक महंगी दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। भारत सरकार को दस साल के बॉन्ड बेचने के लिए अब लगभग सात प्रतिशत की दर से ब्याज देने पड़ रहे हैं। सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते जुटाई गई रकम का निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो रहा हो। मगर, अपने देश में फिलहाल इनमें से बड़ी रकम का इस्तेमाल मतदाताओं के खाते में नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है।

मार्केट रिसर्च एजेंसी क्राइसिल के मुताबिक 2019 तक सिर्फ चार राज्यों में कैश ट्रांसफर की योजनाएं थीं, जबकि अब 28 राज्यों और केंद्र शासित दिल्ली में इन्हें चलाने का बोझ सरकारों पर है। प्रोजेक्टडीप नामक एक संगठन की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2015 के बाद से ऐसी योजनाओं पर सरकारी खर्च में 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। ये व्यय अब दो लाख 85 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच चुकी है। यह भी गौरतलब है कि ये सारी रकम सिर्फ कर्ज लेकर नहीं जुटाई गई है। बल्कि एक्सिस रिसर्च ने पिछले साल अपनी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा था कि इस बजट का बहुत बड़ा हिस्सा सरकारों की व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन लाकर और राजकोषीय घाटा बढ़ाते हुए पूरा किया गया है।

व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन का मतलब है कि दीर्घकालिक एवं मानव विकास की योजनाओं का बजट काट कर प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की योजनाएं बढ़ाई गई हैं। चूंकि सरकारें ऐसी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन नहीं करवातीं, इसलिए यह सामने नहीं आ पाता है कि मतदाताओं को तुरंत मिलने राहत की कितनी बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी। अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इन योजनाओं को 'नई कल्याणकारी दृष्टिO कहा है। इससे मतदाताओं को महसूस होता है कि उनके लिए कुछ किया गया है। लेकिन यह किस कीमत पर हुआ है, यह बताने वाला उनके आसपास कोई मौजूद नहीं होता!

ब्लॉग

परिवर्तन की जड़ें: ई-गवर्नेंस से बदलता ग्रामीण भारत

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि भर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिसने डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भरोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित निकायों से आगे बढ़कर, शासन की तीसरी स्तरीय व्यवस्था की आत्मविश्वासी, सक्षम और तकनीकी रूप से दक्ष संस्थाओं के रूप में स्थापित हुई हैं।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्कृष्ट लोक सेवा वितरण के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है। इस वर्ष सात श्रेणियों में चयनित 17 परियोजनाओं में से 4 पंचायती राज क्षेत्र से संबंधित हैं, जो ज़मीनी स्तर पर नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु पिछले बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों का स्वाभाविक परिणाम है।

ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु पंचायती राज मंत्रालय की प्रमुख पहल, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, पहचान और जनभागीदारी को आपस में जोड़ने वाली एक पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था का निर्माण कर रहा है।

उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडेपुर ग्राम पंचायत ने ग्रासरूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से 1,300 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, पश्चिम त्रिपुरा की बिजय नगर ग्राम पंचायत को रजत पुरस्कार मिला है। पंचायत ने अपने स्वयं के स्रोतों से आय में लगभग 194 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और महिलाओं के बीच शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षरता हासिल की है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को 'ई-आरोग्य धमनी पहल के माध्यम से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय पहल श्रेणी में गोल्ड अवार्ड के लिए चयनित किया गया। ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है।

यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ?3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासार प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता है। मेरी पंचायत ऐप, जिसे 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, विकास कार्यों की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचा रहा है।

इन प्रयासों के साथ-साथ, स्वामित्व योजना के तहत 3.30 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा जून 2026 के मध्य तक 1.94 लाख गांवों के लिए 3.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों के संपत्ति अधिकार सुदृढ़ हुए हैं और उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त करने में आसानी हुई है। पंद्रहवें वित्त आयोग की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों को ?2.82 लाख करोड़ की अनुदान राशि जारी की गई, जो अब तक की सर्वाधिक है। सोलहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2026 से 2031 के लिए ?4.35 लाख करोड़ की सिफारिश की है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 'सेवा से समृद्धिः पंचायतों के नेतृत्व में सेवा वितरण' विषय पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। इन कार्यशालाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से सफल स्थानीय पहलों और नवाचारों को साझा किया जा रहा है, ताकि राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अच्छे मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके। इनकी उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं बहुत व्यापक हैं। एनएईजी 2026 में चयनित पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियां देशभर की पंचायतों को प्रेरित कर रही हैं, और अनेक पंचायतें अपने गांवों में बेहतर सेवाएं पहुंचाकर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे मॉडलों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव यह बल देते रहे हैं कि सुशासन वही है जो नागरिकों का जीवन सरल बनाए। पारदर्शी और तकनीक सक्षम व्यवस्थाओं के माध्यम से प्राप्त 'ईज़ ऑफ़ लिविंग' ही किसी सरकार की मंशा और क्षमता की सच्ची कसौटी है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि दूसरों का सम्मान करना स्वयं के सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है। पंचायतों को डिजिटल साधनों से सशक्त बनाकर और उनकी क्षमता पर विश्वास जताकर, केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण मंच पर देश को सम्मानित होने का मार्ग प्रशस्त किया है।

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, सशक्त पंचायतों की भूमिका और भी केंद्रीय होती जा रही है। लगभग 90 करोड़ नागरिकों के ग्रामीण भारत में निवास करने के साथ, हमारी पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती ही हमारी सामूहिक प्रगति की गति तय करेगी। विकसित पंचायत, विकसित भारत से अलग नहीं, बल्कि उसकी सबसे मजबूत नींव है।

ये चार राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन, प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने के प्रतीक हैं। ये जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रत्येक सरपंच, पंचायत सचिव और महिला जनप्रतिनिधि के लिए एक प्रेरणा हैं कि उनके समर्पण और प्रयासों को पहचान मिल रही है, उनकी सराहना की जा रही है और उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों ने ही ऐसी उत्कृष्टता के उभरने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। एनएईजी 2026 में मिली पहचान से लेकर देशभर में बढ़ती सेवा से समृद्धि कार्यशालाओं की गति तक, यह सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस की जड़ें वास्तव में गहरी हो चुकी हैं, और विकसित पंचायत के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की यह यात्रा हर गुजरते वर्ष के साथ और सशक्त होती जा रही है।

(लेखक केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री हैं।)

चंपत राय के समर्थन में संत मंडल, कहा- इस्तीफा स्वीकार न करे ट्रस्ट, उन्होंने खुद SIT जांच का अनुरोध किया

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अयोध्या संत मंडल खुलकर उनके समर्थन में उतर आया है। प्रेस वार्ता में संतों ने ट्रस्ट से अपील की कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि वे लंबे समय से चंपत राय को जानते हैं और उनकी निष्ठा, ईमानदारी तथा कार्यशैली पर उन्हें पूरा विश्वास है।

संतों ने कहा कि चंपत राय पूरी तरह निर्दोष हैं और उनके खिलाफ प्रसारित की जा रही बातें निराधार एवं तथ्यहीन हैं। उन्होंने मीडिया में चल रहे आरोपों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि बिना तथ्यों के किसी की छवि धूमिल करना उचित नहीं है।

अयोध्या के सभी संतों का आशीर्वाद उनके साथ

संत मंडल ने कहा कि चंपत राय ने स्वयं पूरे प्रकरण की एसआईटी जांच कराने का अनुरोध किया था, जो उनकी पारदर्शिता और न्यायप्रियता का प्रमाण है। सरकार द्वारा तत्काल एसआईटी का गठन किए जाने को भी संतों ने सराहनीय कदम बताया।

संतों ने यह भी कहा कि लगातार आरोपों और बयानबाजी के बावजूद चंपत राय ने संयम बनाए रखा है और सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने उनके धैर्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि अयोध्या के सभी संतों का आशीर्वाद उनके साथ है। प्रेस वार्ता में संतों ने राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरि से भी कई सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि कोष की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त चिंता क्यों नहीं की गई। साथ ही पूछा कि 11 जुलाई को प्रस्तावित ट्रस्ट बैठक को निर्धारित समय से पहले क्यों आयोजित किया गया और इसके पीछे क्या कारण था। संतों ने इस संबंध में ट्रस्ट से स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

बजबजा रही है शेखपुर मोहल्ले की गली

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर का एक ऐसा मोहल्ला आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है, जहाँ के निवासियों को हर दिन नाले और नालियों के गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। रोडवेज से कचहरी मार्ग पर सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के पहले कब्रिस्तान पड़ता है। इसी के पास वाली गली से अंदर जाने वाला रास्ता शेखपुर मोहल्ले की एक गली की तरफ मुड़ता है। यहां की सड़क पिछले कई सालों से इतनी खस्ताहाल और जर्जर है, मानो यहाँ कभी सड़क बनी ही न हो। थोड़ा अंदर बढ़ने पर विकास के दावों की पोल पूरी तरह खुल जाती है। नालियों का गंदा और बजबजाता हुआ पानी सड़कों के ऊपर बह रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बरसात हो या न हो यहां पर हमेशा नाली का पानी सड़क पर बहता है लेकिन बरसात में स्थित और खराब हो जाती है। चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ दिखाई देता है। बच्चों के स्कूल जाने के समय अक्सर कपड़े खराब हो जाते है। लोगों को इसी गंदे, संक्रामक पानी के बीच से पैर डुबोकर आना-जाना पड़ता है। स्थिति इतनी गंभीर है कि यहाँ कभी भी बड़ी महामारी या बीमारियाँ पैर पसार सकती हैं। हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका प्रशासन इस नरकीय जीवन से छुटकारा पाने के लिए अब प्रशासन से ठोस कदम नही उठाया है।

स्पा ने लक्खीशाह बंजारा की जयंती मनाई

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को बाबा लक्खीशाह बंजारा की जयंती मनाई। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक समरसता, राष्ट्रसेवा और त्यागपूर्ण जीवन को याद किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि बाबा लक्खीशाह बंजारा का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और मानवता की सेवा का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और वंचित, पिछड़े व शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के बाद पार्टी की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रम और जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ।बैठक में जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और पीडीए की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने 1 से 7 जुलाई तक राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पीडीए वृक्षारोपण अभियान को भव्य रूप से आयोजित करने के निर्देश भी दिए। पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, लालबहादुर यादव, मोहम्मद अरशद खान सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां के आंसुओं ने दी गवाही, मासूम के कातिल सौतेले पिता की उम्रकैद बरकरार, कोर्ट ने की ये टिप्पणी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मां की गवाही पर मासूम के कातिल सौतेले पिता की उम्रकैद पर मुहर लगा दी। कोर्ट ने कहा कि भले ही सारे गवाह मुकर जाएं पर मां के आंसुओं पर संदेह नहीं किया जा सकता। दो साल बाद हुई गवाही के दौरान भी उनके आंसू नहीं थमे थे। कोई मां अपने लाल के असली कातिल को नहीं छोड़ सकती है।

इस भावुक टिप्पणी संग न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने गोरखपुर के प्रदीप उर्फ अमन चौरसिया की अपील खारिज कर दी। प्रदीप को ट्रायल कोर्ट ने 27 मई 2022 को दो साल के सौतेले बेटे की हत्या का दोषी करार देते हुए उम्रकैद और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। वह 31 अक्तूबर 2015 से जेल में है।

मामला गोरखपुर चिलुवाटल थाना क्षेत्र का है। 28 अक्तूबर 2015 को मुन्नी देवी ने अपने दूसरे पति प्रदीप के खिलाफ बेटे की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि महाराजगंज निवासी अपने पहले पति से जन्मे बेटे अभिमन्यु संग दूसरे पति प्रदीप संग किराये के मकान में रहती थी। दूसरे पति से एक बेटा पैदा हुआ। इसके बाद प्रदीप अभिमन्यु से नफरत से नफरत करने लगा। इस कारण प्रदीप ने उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने प्रदीप को गिरफ्तार कर जेल भेजा। विवेचना के बाद आरोप पत्र दाखिल किया। इस पर करीब पांच साल चले ट्रायल में नौ गवाह पेश किए गए। इनमें से पांच गवाह मुकर गए। मां की गवाही में भी कई विरोधाभास आए। इन्हें आधार बनाकर प्रदीप ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की।

अपीलार्थी की दलील

अभियोजन पक्ष के नौ गवाहों में से पांच गवाहों ने बयान बदले। वादी मां ने भी विरोधाभासी बयान दिए। चिकित्सा साक्ष्य अभियोजन की कहानी से मेल नहीं खाते। घटनास्थल का नक्शा नजरी नहीं बनाया गया था। जघन्य अपराध का कोई उद्देश्य नहीं उजागर होता है। मुन्नी देवी दूसरे पति को फंसाना चाहती हैं। ट्रायल कोर्ट ने केवल अनुमानों और अटकलों के आधार पर सजा सुनाई है।

अभियोजन के तर्क

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि दो साल के बच्चे को गला घोंटकर मारा गया था। यह क्रूरता की पराकाष्ठा है। मुकरने वाले गवाह आरोपी के रिश्तेदार ही हैं। मां के बयान पर संदेह जताना गलत है। बयानों में भिन्नता हो सकती है लेकिन वह घटना की एकमात्र चश्मदीद हैं। घटना के वक्त घर में थीं।

कोर्ट को दस्तावेज में एक तस्वीर मिली। घटना के करीब दो साल बाद 29 जून 2017 को गवाही के दौरान मां बेहद भावुक थी। उनके आंसू लगातार बह रहे थे। इस गमगीन माहौल को देखते हुए कोर्ट को मां की गवाही छह महीने से ज्यादा समय तक टालनी पड़ी थी। ट्रायल कोर्ट ने फैसले में मां के इस आचरण पर भी विचार किया था।

कोर्ट की टिप्पणी- भारतीय महिला पति को नहीं फंसा सकती

अपील खारिज कर कोर्ट ने कहा कि मां से जिरह में विरोधाभास भले हों लेकिन गवाही में ऐसा दाग नहीं है उसे संदिग्ध माना जा सके। भारतीय परंपरा व संस्कृति में कोई महिला अपने दूसरे पति को अपने ही मासूम बच्चे के कत्ल में नहीं फंसा सकती जिसके लिए उसने पहले पति को छोड़ दिया हो।

बंद कमरे में दो दिग्गजों की मीटिंग ने बढ़ाई सियासी हलचल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। भाजपा में जिले की राजनीति के केंद्र बिंदु कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी और कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह के बीच हुई मुलाकात सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के बंद कमरे में करीब 50 मिनट की इस मुलाकात ने भाजपा के भीतर सियासी हलचल बढ़ा दी है।

इस मुलाकात की सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं। हालांकि विधायक ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। मौजूदा समय में जिले में भाजपा की राजनीति कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी और कुंदरकी विधायक

रामवीर सिंह के ईदगिर्द ही घूमती नजर आती है।

जिले के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी इनसे जुड़कर खेमों में बंटे हैं। भूपेंद्र चौधरी पहले कैबिनेट मंत्री बने फिर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अब फिर फिर से वह कैबिनेट मंत्र बन गए हैं। बावजूद इसके विधायक रामवीर भूपेंद्र चौधरी के सियासी करीबियों में कभी नहीं दिखे। आम तौर पर ये दोनों नेता सिर्फ पार्टी के मंचों पर ही एक साथ दिखते हैं। जहां उनकी मुलाकात शिष्टाचार तक की सीमित रहती है।

लखनऊ बुलाए गए भाजपा विधायक, राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे बैठक

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन शनिवार को पहली बार पार्टी के विधायकों से रूबरू होंगे। भाजपा के दोनों विधायक लखनऊ रवाना हो गए हैं। पहले जिला और महानगर अध्यक्षों की बैठक होगी फिर विधायकों के साथ बैठक करेंगे। महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन पहली बार शनिवार को लखनऊ आएंगे। जहां भाजपा के विधायकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। पहले दोपहर 12 बजे जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद विधायकों के साथ बैठक करेंगे। जिले के पदाधिकारी और विधायक लखनऊ रवाना हो गए हैं।

यही नहीं समय-समय पर इनके के बीच सियासी खींचतान की भी चर्चाएं होती रहती हैं। लेकिन इस बार चर्चा सियासी खींचतान की नहीं बल्कि मुलाकात की हो रही है। बृहस्पतिवार दोपहर कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बैठे थे।

पार्टी से जुड़े लोगों से मुलाकात कर रहे थे। तभी कुंदरकी से भाजपा विधायक रामवीर सिंह वहां पहुंच गए। दोनों के बीच शिष्टाचार भेंट हुई। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में बैठक हुई। ये बैठक करीब 50 मिनट तक चली। इस दौरान कमरे में किसी दूसरे नेता को जाने की अनुमति नहीं दी गई।

इसके बाद ये मुलाकात भाजपा नेताओं के बीच चर्चा का विषय बन गई। यही नहीं भाजपा के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने इसके सियासी मायने निकालने शुरू कर दिए। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है।

भाजपा को सशक्त बनाने पर चर्चा

कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने बताया कि पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात हुई थी। ये सामान्य और व्यक्तिगत मुलाकात थी। भाजपा को मंडल और जिले में सशक्त बनाने पर चर्चा हुई। जिले की सभी छह सीटों पर पार्टी को जीत कैसे मिले इस पर विस्तार से चर्चा हुई है।

151 गायब मोबाइल बरामद, मालिकों को सौपा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पुलिस ने पोर्टल के माध्यम से 151 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 32 लाख रुपये बताई गई है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि साइबर क्राइम थाना और जनपद के विभिन्न थानों की साइबर सेल ने यह सफलता हासिल की। बरामद मोबाइल सिर्फ जौनपुर ही नहीं, बल्कि आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही समेत कई जिलों से खोजे गए। इसके अलावा दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों से भी मोबाइल रिकवर किए गए। बरामद फोन में वनप्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग जैसी कंपनियों के स्मार्टफोन शामिल हैं।मोबाइल स्वामियों को उनके फोन सौंपते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मोबाइल खोने पर सबसे पहले नजदीकी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराएं और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत अवश्य करें।

नींद की गोलियां देकर मारा, बाथरूम में गाड़ दी लाश, ऊपर रोज नहाती थी वो

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के सिकंदरा के दहतोरा में महिला ने शराब पीकर झगड़ा करने से तंग आकर पति सुरेंद्र (44) की हत्या कर दी। इसके बाद शव बाथरूम में दफना दिया और मिस्त्री को बुलाकर फर्श बनवा दिया। पुलिस के अनुसार, खीर में 20 से अधिक नींद की गोलियां मिलाकर हत्या की गई। हत्या के डेढ़ माह बाद पुलिस बुधवार को एक पुराने मामले में सत्यापन के लिए सुरेंद्र के घर पहुंची तो पत्नी रूबी घबरा गई। शुक्रवार को उसने अपने जेठ अनिल को बुलाया और घटना की जानकारी दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फर्श खोदकर सुरेंद्र का कंकाल बरामद करते हुए रूबी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में अनिल ने बताया कि छोटा भाई सुरेंद्र कुछ काम नहीं करता था। रोज शराब पीने के कारण आए दिन पत्नी से उसका झगड़ा होता रहता था। 18 मई को रूबी ने फोन कर बुलाया और कहा कि पुलिस दबिश दे रही है, इसलिए मां और बच्चियों को अपने घर ले जाओ। घर पहुंचकर मां और भतीजियों को अपने घर ले आए। दूसरे दिन रूबी भी आ गई। बताया कि सुरेंद्र तीन हजार रुपये लेकर कहीं चले गए हैं। मोबाइल भी घर छोड़कर गए हैं। उन्हें उसकी बातों पर शक हुआ। इसके बाद रूबी

पति की हत्या के बाद पत्नी ने शव को घर के बाथरूम में दफना दिया था। आरोपी रूबी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। उसने बताया कि आए दिन शराब पीकर झगड़े से तंग आकर उसने वारदात को अंजाम दिया। यह भी देखा जा रहा है कि घटना में कोई और तो शामिल नहीं है। हर बिंदु पर गहनता से जांच की जा रही है।

- सय्यद अली अब्बास, डीसीपी सिटी

ने 26 मई को प्राची टावर चौकी पर जेठ के साथ पहुंचकर पति की गुमशुदगी दर्ज करा दी। पुलिस तलाश के लिए रेणुका धाम कॉलोनी भी पहुंची। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। पुलिस के आने पर रूबी रोने लगती थी। एक सप्ताह पहले अनिल के कहने पर रूबी अपने घर आ गई थी।

2017 में सुरेंद्र के खिलाफ ट्रक चोरी का मामला दर्ज हुआ था। बुधवार को पुलिस इस मामले में रूबी के घर सत्यापन के लिए पहुंची थी। सुरेंद्र के बारे में पूछने पर पत्नी ने लापता होने की जानकारी दी तो पुलिसकर्मियों ने रूबी के फोटो खींच लिए। इससे रूबी घबरा गई। उसे लगा कि पुलिस से किसी ने शिकायत कर दी है। शुक्रवार को उसने जेठ को फोन करके घर बुलाया और बताया कि पति को मारकर शव बाथरूम में दफना दिया है। इसके बाद अनिल ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस से बोली-पति ने कर ली थी आत्महत्या

आरोपी रूबी को जब पुलिस ने गिरफ्तार किया तो वह बार-बार बयान बदलने लगी। पहले उसने नींद की गोली देने की बात कही। फिर कहा कि पति ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घबराकर उसने शव को दफना दिया।

कहा कि बाथरूम का फर्श कमरे के फर्श से दो से तीन फीट नीचे था, इसलिए शव को उसमें डाल दिया। इसके बाद मिट्टी लाकर डाल दी और मिस्त्री बुलाकर फर्श पक्की करवा दी। इससे किसी को शक नहीं हुआ।

वह घर में भी आराम से रह रही थी। हालांकि, पुलिस को शक है कि घटना में कोई और भी शामिल हो सकता है। एक अकेला व्यक्ति इस पूरी घटना को अंजाम नहीं दे सकता। मौके पर पहुंची पुलिस ने बाथरूम का फर्श खोदकर कंकाल बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली। आरोपी रूबी से पूछताछ की जा रही है।

24 साल पहले भरतपुर से आगरा आया था परिवार

पुलिस के अनुसार, मूलरूप से भरतपुर के रंजीत नगर निवासी राधेश्याम शर्मा एक इंटर कॉलेज में प्रवक्ता पद पर कार्यरत थे। 24 साल पहले सेवानिवृत्त होने के बाद आगरा आ गए थे। सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहने लगे। 14 साल पहले उनकी मौत हो गई थी।

सुरेंद्र उनका छोटा बेटा था। बड़े बेटे अनिल ऑटो चालक हैं और वायु विहार, शाहगंज में रहते हैं। सुरेंद्र रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी 16 साल पहले रूबी से हुई थीं। दो बेटियां प्राची (15) और सिद्धि (9) हैं। सुरेंद्र की मां कमला भी साथ ही रहती थीं।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सुरेंद्र की मां को पति की पेंशन के 32 हजार रुपये मिलते थे। रूबी डेबिट कार्ड और पासबुक अपने पास रखती थी। पेंशन की रकम से वह जेठ अनिल को 10 हजार रुपये देती थी। जून में रूबी ने अनिल को पेंशन की रकम नहीं दी।

कहा कि पेंशन नहीं आई है। अनिल बृहस्पतिवार को मां को भरतपुर लेकर गए। पेंशन के बारे में जानकारी की तो पता चला कि पेंशन खाते में भेजी जा चुकी है। अनिल ने घर पहुंचकर रूबी से शिकायत की तो दोनों में झगड़ा हुआ।

नीचे दफन था पति, ऊपर रोज नहाती थी रूबी

पति सुरेंद्र शर्मा की हत्या के बाद रूबी ने शव को न सिर्फ बाथरूम में दफनाया था, बल्कि रोज लाश के ऊपर ही नहाती थी। वह नियमित बाथरूम का इस्तेमाल कर रही थी। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि जब पड़ोसी सुरेंद्र के बारे में पूछते तो परेशान होने का नाटक करती। पुलिस गहनता से मामले की जांच कर रही है।

कलह बनी काल

पुलिस के अनुसार, सुरेंद्र नींद की गोलियां खाता था। रूबी ने 18 मई को उसको खीर में मिलाकर नींद 20 से ज्यादा गोलियां दे दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में उसने शव को बाथरूम में दफना दिया। वह पति की हत्या के बाद जितने दिन घर में रही, उसी बाथरूम का इस्तेमाल करती रही। पड़ोसियों के पूछने पर रोने लगती थी। अनिल ने बताया कि भरतपुर जाकर जब बैंक से मां के खाते का स्टेटमेंट निकलवाया तो पता चला कि पैसे खाते से निकाले जा चुके हैं। शक होने पर रूबी से बृहस्पतिवार सुबह बात की थी तो वह चुप हो गई। शक होने पर उसने कहा कि भाई के बारे में बता दो। रूबी ने फिर भी कुछ नहीं बताया। शुक्रवार सुबह 6 बजे फोन करके जेठ को बुलाया। कहा कि पति घर पर हैं, आकर बात कर लो। जब अनिल पहुंचे तो कहा कि बाथरूम में हैं। जब अनिल ने वहां जाकर देखा तो कोई नहीं था। तब रूबी ने कहा कि दो फीट नीचे हैं। इसके बाद अनिल ने पुलिस को सूचना दी और कंकाल बाहर निकाला गया।

पड़ोसी बोले, नहीं लगी भनक

रूबी के बारे में जानकर पड़ोसी भी हैरत में पड़ गए। उनका कहना था कि शराब की वजह से पति-पत्नी में अक्सर झगड़े होते थे। पति ने डिलीवरी बाय की नौकरी भी छोड़ दी थी। रूबी ही घर में कपड़े सिलने का काम करती थी। उसे जो रुपये मिलते थे, वह भी पति ले लेता था।

कई बार लोगों ने समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माना। किसी को यह अंदाजा नहीं था कि रूबी उसकी हत्या कर देगी। शव को जिस तरह से ठिकाने लगाया, उससे यही लग रहा है कि उसने कई दिन पहले तैयारी कर ली थी। इस बात की भनक किसी को नहीं लगी।

कड़े और माला से हुई शिनाख्त

पुलिस ने सुरेंद्र का शव बरामद करने के लिए बाथरूम का फर्श खोदा। अंदर कंकाल निकला और कपड़े भी गल चुके थे। हाथ में कड़ा और गले में रुद्राक्ष की माला मिली। सामान देखते ही परिजन ने पहचान कर ली। मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग कह रहे हैं कि जब पत्नी ही पति की हत्या कर इस तरह शव दफना दे तो आखिर किस पर भरोसा किया जाए।

मेरठ जैसी घटना से सन्न रह गए लोग

मार्च 2025 में मेरठ में मुस्कान ने मर्चेंट नेवी में कार्यरत पति सौरभ की प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। शव को टुकड़ों में काटकर नीले ड्रम में सीमेंट डालकर छिपा दिया था। बाद में हत्याकांड का खुलासा हुआ था। अब आगरा में भी कुछ ऐसा ही मामला सामने आया। पत्नी ने पति की हत्या कर शव बाथरूम में दफना दिया। ऊपर फर्श भी बनवा दिया। हत्या की जानकारी मिलने पर लोग सन्न रह गए। रूबी के दुस्साहस ने सभी को हैरान कर दिया। आगरा में इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी पति की हत्या के मामले सामने आ चुके हैं। 1 अप्रैल 2026 की रात सैंया निवासी लोकेंद्र की हत्या हुई थी। पत्नी सोमवती के संबंध गांव के महेश से हो गए थे। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या करा दी थी। खेत में हत्या के बाद शव जला दिया था। बाद में हत्याकांड का खुलासा हुआ था।

वहीं 9 फरवरी 2026 की रात को गांव लोधई, एकता निवासी लवकेश की हत्या हुई थी। उसकी पत्नी गौरी के प्रेम संबंध चचेरे देवर सुंदर से चल रहे थे। पति ने दोनों को साथ देख लिया था। इसके बाद पत्नी ने पति की प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। हत्या को आत्महत्या का रूप दे दिया था। बाद में परिजन ने अंतिम संस्कार कर दिया। गौरी की हरकतों को देखकर हत्याकांड का खुलासा हो गया था।

किडनी होती है डैमेज... प्रोटीन से जुड़े इन मिथकों पर न करें भरोसा, पड़ जाएंगे लेने के देने

मांसपेशियों के बनने और इनके रिपेयर के लिए प्रोटीन सबसे जरूरी तत्व है। लेकिन इससे जुड़ी गलतफहमियां हैं जिन पर आसानी से भरोसा कर लिया जाता है। कुछ मानते हैं कि इसका इंटेक किडनी को डैमज करता है। क्या ये सच है? चलिए आपको डॉक्टर के जरिए बताते हैं पूरी सच्चाई क्या है?

मांसपेशियों के लिए सबसे जरूरी माने जाने वाले प्रोटीन को लेकर कई मिथक पॉपुलर हैं। इसमें सबसे आम ये है कि अगर इसे ज्यादा ले लिया जाए तो किडनी खराब होने लगती है। ये एक गलफहमी है या फिर सच... ऐसा बहुत कम लोगों को पता होता है। फिटनेस और बॉडी बिल्डिंग की बात आए तो प्रोटीन पर फोकस किया जाता है। पनीर, चिकन जैसे नेचुरल चीजों के अलावा इसकी पूर्ति के लिए सप्लीमेंट्स तक लिए जाते हैं। पर अगर कोई प्रोटीन वाली डाइट लेना शुरू करता है तो पहले सवाल ये उठता है कि इसकी वजह से किडनी खराब हो जाएगी।

किडनी सेहत के लिए वरदान है या अभिशाप... ऐसा सवाल भी जरूर उठता है। ये तत्व न सिर्फ हमारी मांसपेशियों के लिए अच्छा है बल्कि इससे इम्यूनिटी बूस्टिंग और मजबूत हड्डियां जैसे फायदे मिलते हैं। किडनी से जुड़े मिथक एक्सपर्ट के जरिए जानें।

प्रोटीन से जुड़े मिथक

डॉ। अर्पित श्रीवास्तव (कंसल्टेंट – नेफ्रोलॉजी, रीजेंसी हॉस्पिटल) कहते हैं कि प्रोटीन को लेकर लोगों के बीच कई तरह की गलतफहमियां फैली हुई हैं। सबसे आम मिथक यह है कि ज्यादा प्रोटीन खाने से हर व्यक्ति की किडनी खराब हो जाती है। वास्तव में यह पूरी तरह सही नहीं है। किडनी की हेल्थ ठीक है तो तो बैलेंस क्वांटिटिटी में प्रोटीन लेने से नॉर्मली इस अंग को नुकसान नहीं होता। शरीर की मांसपेशियों, प्रतिरक्षा प्रणाली, हार्मोन और ऊतकों की मरम्मत के लिए प्रोटीन एक जरूरी न्यूट्रिएंट है।

हालांकि, जिन लोगों को पहले से क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD) है तो उन्हें डॉक्टर या क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह के अनुसार ही प्रोटीन का इंटेक करना चाहिए। ऐसे मरीजों में आवश्यकता से अधिक प्रोटीन लेने पर किडनी के काम करने के तरीके पर एक्स्ट्रा प्रेशर पड़ सकता है।

मांसपेशियों को नुकसान- एक्सपर्ट बताते हैं कि कई लोग बिना सलाह के प्रोटीन कम कर देते हैं। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता घट सकती है और कुपोषण का खतरा बढ़ सकता है। विशेष रूप से बुजुर्गों और डायलिसिस पर रहने वाले मरीजों में पर्याप्त प्रोटीन लेना बेहद जरूरी होता है।

याद रखें कि हर व्यक्ति की प्रोटीन की आवश्यकता उसकी उम्र, वजन, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग-अलग होती है। इसलिए सोशल मीडिया या अधूरी जानकारी के आधार पर अपनी डाइट में बदलाव न करें।

प्रोटीन सिर्फ बॉडी-बिल्डर्स के लिए- लोगों में ये भी मिथक फैली हुई है कि प्रोटीन सिर्फ बॉडी-बिल्डर्स के लिए जरूरी होता है, जबकि ऐसा नहीं है। ये हमारी मांसपेशियों, इम्यूनिटी और हड्डियों के लिए एक जरूरी तत्व है। हां, बॉडी-बिल्डिंग वालों को इसकी एक्स्ट्रा जरूरत पड़ती है। पर ये हर किसी के शरीर में सही मात्रा में होना चाहिए।

यूरिक एसिड बढ़ाता है- ये भी माना जाता है कि हर तरह का प्रोटीन यूरिक एसिड को बढ़ा देता है। ऐसे में गठिया या हड्डियों में दर्द होने लगता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि प्लांट प्रोटीन यूरिक एसिड को बढ़ाता नहीं है। जिनकी बॉडी में यूरिक एसिड बढ़ रहा हो उन्हें एनिमल प्रोटीन से दूरी बनानी चाहिए। जो शराब पीते हैं उन्हें यूरिक एसिड के बढ़ने का खतरा बना रहता है।

कब जरूर लें एक्सपर्ट की सलाह- अगर आपको किडनी की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या अन्य कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, तो अपनी प्रोटीन की सही मात्रा डॉक्टर या क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह से ही तय करें। सही जानकारी और संतुलित आहार ही स्वस्थ किडनी और बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है।

कोरियन ग्लास हेयर है नया ट्रेंड, ऐसे बालों के लिए स्टेप बाय स्टेप करें ये चीजें

कोरियन ग्लास हेयर आज पूरी दुनिया में पॉपुलर हो रहे हैं। कोरियन गर्ल्स के हेयर स्मूद, शाइनी और स्लीक नजर आते हैं और इसे ग्लास हेयर कहते हैं। कुछ टाइम पहले तक ग्लास स्किन का ट्रेंड था जिसमें केयर के जरिए स्किन को इतना साफ, हाइड्रेट और चमकदार बनाने की कोशिश की जाती है कि वो शीशे जैसे चमकने लगती है। अब ग्लास हेयर का ट्रेंड है जिसमें बालों की सतह इतनी सॉफ्ट होती है को उस पर पड़ने वाली रोशनी शीशे की तरह रिफ्लेक्ट होती है। बाल स्ट्रेट तो नजर आते हैं साथ ही इनकी मजबूती और हेल्दी नजर आना भी एक बड़ा प्लस प्वाइंट है।

कोरियन ब्यूटी सीक्रेट्स को अपनाने का फायदा है कि इनसे बालों को नेचुरली शाइनी बनाया जा सकता है। इन बालों के लिए नारियल तेल, एलोवेरा और राइस वाटर होम रेमेडीज को अपनाकर बालों को शाइनी बनाया जा सकता है। जानें आप कैसे नेचुरली कोरियन ग्लास हेयर पा सकते हैं।

ऐसे पाएं कोरियन ग्लास हेयर

पहला स्टेप- बालों की डबल क्लींजिंगः कोरियन्स के लिए कहा जाता है कि सबसे पहले ये बालों की डबल क्लींजिंग करते हैं। इसमें ऑयल-बेस्ड क्लींजर से स्कैल्प के ऑयल और गंदगी को निकाला जाता है। फिर सल्फेट फ्री शैंपू से बालों को क्लीन किया जाता है। पॉल्यूशन एरिया में रहते हैं और हीटिंग टूल्स का यूज करते हैं तो ये बालों को क्लीन करने का सबसे बेस्ट तरीका है।

दूसरा स्टेप- कंडीशनिंगः बालों को हाइड्रेट करके उन्हें शाइनी बनाने में कंडीशनर का बड़ा रोल है। बेहतरीन कंडीशनर की हेल्प से क्यूटिकल को स्मूद बनाया जा सकता है। ये मॉइस्चराइज करने के अलावा नमी को लॉक करता है। इस तरह बाल कम फ्रीज होते हैं और शीशे की तरह चमकते हैं।

तीसरा स्टेप- हफ्ते में एक बार डीप कंडीशनिंगः बालों की डीप कंडीशनिंग के लिए हेयर मास्क को लगाना बेस्ट है। कोरिया में शहद या दूसरी नेचुरल चीजों के बालों की डीप कंडीशनिंग की जाती है। इनसे बालों को गहराई से पोषण मिलता है और ये रिपेयर हो पाते हैं। नियमित रूप से ऐसा करने से बाल कम फ्रिजी होती है और सॉफ्ट रहते हैं। साथ ही ये शाइनी भी नजर आते हैं।

स्टेप 4- एक्स्ट्रा कंडीशनिंगः बालों की एक्स्ट्रा कंडीशनिंग को लीव-इन-ट्रीटमेंट पुकारा जाता है। इससे बाल लंबे समय तक स्मूद और मैनेजबल बन पाते हैं। आर्गन, कैमेलिया और जोजोबा ऑयल से बने प्रोडक्ट्स को लगाने से हेयर की एक्स्ट्रा कंडीशनिंग हो पाती है। इस नुस्खे की हेल्प से बाल हीट स्टाइलिंग के नुकसान से भी बच पाते हैं।

स्टेप 5- ब्लो ड्राई करें- ग्लास हेयर पाने में सही ब्लो-ड्राइंग तकनीक बहुत महत्वपूर्ण है। बेस्ट क्वालिटी का ब्लो ड्रायर यूज करें। नैचुरल ब्रिसल्स वाला राउंड ब्रश यूज करें। गीले बालों को टुकड़ों में सुखाएं।

स्टेप 6- फाइनल पॉलिश- आखिरी स्टेप में बालों की फाइनल पॉलिश करनी है। इसके लिए आप शाइन सीरम, हेयर प्राइमर या शाइन स्प्रे का यूज कर सकती हैं। आखिर में ड्रायर की कूल एयर बालों पर फ्लो करें। इस तरह ये आसानी से सेट हो जाएंगे और देर तक शाइन करेंगे।

कोरियन ब्यूटी सीक्रेट्स के जरिए बालों की नेचुरली देखभाल के लिए कई देसी चीजों को इस्तेमाल में लिया जा सकता है। इनमें चावल का पानी, नारियल तेल, एलोवेरा जेल, गुड़हल के फूल और मेथी दाना का पानी शामिल है।

गट हेल्थ सुधारने के लिए डाइट में शामिल करें ये जरूरी चीजें

आजकल कई लोग गट हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि खराब गट हेल्थ कई बीमारियों की वजह बन सकती है। आइए जानते हैं कि अच्छी गट हेल्थ बनाए रखने के लिए डाइट में किन चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

आजकल खराब गट हेल्थ की समस्या काफी आम होती जा रही है। गलत खानपान, बाहर का ज्यादा खाना, तनाव और खराब लाइफस्टाइल का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ सकता है। कई लोग पेट से जुड़ी छोटी-छोटी परेशानियों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही समस्याएं लंबे समय तक बनी रहें, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि गट हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है। स्वस्थ गट सिर्फ पाचन ही नहीं, बल्कि शरीर के ओवरऑल स्वास्थ्य के लिए भी अहम मानी जाती है।

अगर आपको बार-बार गैस बनना, पेट फूलना, कब्ज, दस्त, अपच, पेट में दर्द, बार-बार एसिडिटी या खाना ठीक से न पचना जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो यह गट हेल्थ खराब होने के संकेत हो सकते हैं। कुछ लोगों को थकान, बार-बार बीमार पड़ना या त्वचा से जुड़ी परेशानियां भी महसूस हो सकती हैं। ऐसे लक्षण लगातार बने रहें, तो अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में सुधार करना जरूरी हो जाता है। आइए जानते हैं कि गट हेल्थ बेहतर रखने के लिए डाइट में कौन-सी चीजें शामिल करनी चाहिए, किन चीजों से बचना चाहिए और कौन-सी खानपान की आदतें अपनानी चाहिए।

फल और सब्जियां

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, गट हेल्थ बेहतर रखने के लिए रोज़ाना अलग-अलग तरह के फल और सब्जियां खाना फायदेमंद माना जाता है। सेब, केला, बेरीज़, संतरा, गाजर, पालक, ब्रोकोली और शकरकंद जैसी चीजें फाइबर और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। ये पाचन तंत्र को बेहतर रखने और गट के अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देने में मदद कर सकती हैं।

फाइबर युक्त चीजें

फाइबर पाचन को बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। बीन्स, मसूर, चना, ओट्स, अलसी के बीज, चिया सीड्स और सूखे मेवे जैसी खाने की चीजें फाइबर के अच्छे सोर्स हैं। पर्याप्त फाइबर लेने से कब्ज की समस्या कम हो सकती है और गट माइक्रोबायोम को भी फायदा मिल सकता है।

साबुत अनाज

मैदा या रिफाइंड अनाज की जगह साबुत अनाज को डाइट में शामिल करना बेहतर माना जाता है। ब्राउन राइस, ओट्स, जौ, बाजरा, ज्वार और साबुत गेहूं जैसे अनाज फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। ये पाचन को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं और लंबे समय तक पेट भरा रखने में भी सहायक होते हैं।

प्रोबायोटिक और प्रीबायोटिक फूड्स

दही और अन्य फर्मेंटेड खाने की चीजें प्रोबायोटिक के अच्छे सोर्स माने जाते हैं। वहीं लहसुन, प्याज, केला, ओट्स और शतावरी जैसी चीजें प्रीबायोटिक का काम करते हैं। ये गट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ने और स्वस्थ बने रहने में मदद कर सकते हैं।

कौन-सी चीजें गट हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं?

गट हेल्थ को स्वस्थ रखने के लिए कुछ चीजों का सीमित सेवन करना भी जरूरी है। बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड फूड, तली-भुनी चीजें, अधिक चीनी वाली चीजें और मीठे पेय पाचन तंत्र पर बुरा असर डाल सकते हैं। जरूरत से ज्यादा जंक फूड और कम फाइबर वाला आहार भी गट के अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन बिगाड़ सकता है।

इसके अलावा बिना जरूरत एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन, धूम्रपान और अधिक शराब का सेवन भी गट हेल्थ को प्रभावित कर सकता है। इसलिए संतुलित भोजन और स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाना जरूरी है।

गट हेल्थ बेहतर रखने के लिए किन खानपान की आदतों को अपनाना चाहिए?

खाना हमेशा समय पर और अच्छी तरह चबाकर खाएं। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। रोज़ाना फल, सब्जियां और फाइबर युक्त चीजें डाइट में शामिल करें। जरूरत से ज्यादा जंक फूड और मीठे पेय से बचें।

बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल न करें। नियमित शारीरिक एक्टिविटी , पर्याप्त नींद और तनाव को कंट्रोल रखना भी गट हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है।

नई EPF स्कीम में ₹1800 से अधिक का कंट्रीब्यूशन अब अनिवार्य नहीं, सरकार का बड़ा कदम

पुरानी स्कीम, यानी 'इम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड्स स्कीम 1952' के तहत, सैलरी की जो सीमा (अभी ₹15,000 प्रति महीना) तय है, वह किसी कंपनी में शामिल होते समय कर्मचारी को अनिवार्य सोशल सिक्योरिटी कवर देने के लिए मायने रखती थी।

इंप्लॉई

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने नई कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना-2026 के तहत 15,000 रुपए मासिक वेतन सीमा से ऊपर के अंशदान को वॉलेंटरी कर दिया है। इसका मतलब है कि 1,800 रुपए से अधिक का अंशदान करना अब अनिवार्य नहीं होगा। सोमवार को अधिसूचित नई ईपीएफ योजना के मुताबिक, किसी सदस्य के लिए देय अंशदान केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर नोटिफाइड सैलरी लिमिट के अधीन होगा। नोटिफिकेशन के मुताबिक, पैरा 9 के सब-पैराग्राफ (4) के प्रावधानों के तहत, यदि किसी मेंबर का मासिक वेतन निर्धारित वेतन सीमा से अधिक है तो नियोक्ता और कर्मचारी दोनों का कंट्रीब्यूशन केवल सैलरी लिमिट के आधार पर देय अंशदान तक ही सीमित रहेगा।

नोटिफिकेशन में दी गई ये जानकारी

नोटिफिकेशन में कहा गया है कि जिन मामलों में कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के तहत हाई सैलरी पर कंट्रीब्यूशन की अनुमति दी गई है, उनमें नियोक्ता वेतन सीमा से अधिक हिस्से पर भी पेंशन फंड में योगदान कर सकता है। हालांकि, योजना के तहत इंप्लॉयर का कंट्रीब्यूशन संबंधित कर्मचारी के वेतन का 12 प्रतिशत होगा और कर्मचारी का अंशदान भी नियोक्ता के बराबर ही रहेगा। वर्तमान में 15,000 रुपए की वेतन सीमा पर 12 प्रतिशत की दर से अंशदान किया जाता है, जो अधिकतम 1,800 रुपए होता है। नई व्यवस्था के तहत इस सीमा से ऊपर का अंशदान कर्मचारी और नियोक्ता की इच्छा पर निर्भर करेगा। इसके पहले, कर्मचारी भविष्य निधि योजना 1952 के तहत कर्मचारी एक बार योजना में शामिल होने के बाद अपने वास्तविक मूल वेतन पर अंशदान करते थे और नियोक्ता भी उतनी ही राशि जमा करता था, भले ही वह वेतन निर्धारित सीमा से अधिक हो।

और इंप्लॉयर के पास विकल्प

वर्ष 2014 में संशोधन के बाद कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में नियोक्ता का 8.33 प्रतिशत योगदान 15,000 रुपए की वेतन सीमा (यानी अधिकतम 1,250 रुपये प्रति माह) तक सीमित कर दिया गया था, जबकि उससे अधिक राशि ईपीएफ खाते में चली जाती थी। नई ईपीएफ योजना में यह प्रावधान भी है कि जिन मामलों में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत उच्च वेतन पर योगदान की अनुमति है, उनमें नियोक्ता वेतन सीमा से अधिक राशि पेंशन फंड में जमा कर सकता है। इस बदलाव के बाद कर्मचारी और नियोक्ता दोनों के पास यह विकल्प होगा कि वे वेतन सीमा तक ही अंशदान करें या वास्तविक अधिक वेतन पर स्वेच्छा से अधिक योगदान करें। हालांकि, भविष्य निधि अंशदान में इस बदलाव पर श्रम मंत्रालय की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है।

जरनेम होगा ऑप्शनल, व्हाट्सएप ने साफ की नई फीचर की पूरी तस्वीर

व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है।

सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं।

साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है।

इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो। व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा।

इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं।

हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं। हम इसमें जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं और लोगों की राय भी सुन रहे हैं, ताकि जब इसे इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाए, तो यह बिल्कुल सही हो।

भारत सरकार ने व्हाट्सएप पर आने वाले नए यूजरनेम फीचर के रोल-आउट पर फिलहाल पूरी रोक लगा दी है।

सरकार ने व्हाट्सएप को निर्देश दिया था कि वे तीन दिनों के भीतर यूजरनेम फीचर के बारे में जानकारी दें और सरकार के साथ बातचीत पूरी होने तक इसे लॉन्च न करें।

ईवी अपनाने से 2030 तक आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपये की बचत संभव

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है।

अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था।

रिपोर्ट में कहा गया, मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं। कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं।

नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

भारत में 2025 तक 2.86 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं और यह आंकड़ा 2030 तक 4 करोड़ गाड़ियों तक पहुंचने का अनुमान है। इन गाड़ियों में से 20 प्रतिशत ईवी होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी की तारीफ की गई, जिससे तहत पहले तीन सालों में दो-पहिया गाड़ियों के लिए खरीद पर इंसेंटिव (कुल मिलाकर 60,000 रुपए) दिया जाएगा। तीन-पहिया गाड़ियों के लिए, कुल इंसेंटिव 1,20,000 रुपए है। एन1 कमर्शियल ट्रकों को पहले साल में 1 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में ईवी के लिए रोड टैक्स और एक बार की रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट दी गई है।

राष्ट्रपति ट्रंप के 'ईरान को भोजन चाहिए' बयान पर भड़के गालिबाफ, बोले- पहले अपने फूड स्टैम्प देखिए

तेहरान, एजेंसी। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने शुक्रवार को ईरान की अर्थव्यवस्था और खाद्य आवश्यकताओं पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप पर अमेरिका की घरेलू चुनौतियों को ईरान पर थोपने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब ट्रंप ने कहा कि अमेरिका संभावित राजनयिक सफलता के तहत ईरान को खाद्य पदार्थों का निर्यात करने की उम्मीद करता है। एक्स पर एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा, 'जरा सोचिए, आपके अपने ही चालीस मिलियन से ज्यादा नागरिक फूड स्टैम्प पर निर्भर हैं और आप दूसरे देश को भूखा कह रहे हैं। यह कोई घोषणा नहीं है, यह तो बस एक अनुमान है। अपनी

SNAP सलाह अपने पास रखिए।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी संपत्ति, हमारे विकल्प। कुपोषण की दर पर ध्यान दें।'

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा?

ये टिप्पणियां तब आईं जब ट्रंप ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह कमजोर हो गई है। ट्रंप ने कहा, 'वहां 300 प्रतिशत महंगाई है, वे कोई कमाई नहीं कर रहे हैं।' ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि वह ईरान को खाद्य पदार्थों का निर्यात करेगा। उन्होंने कहा, 'उन्हें भोजन की आवश्यकता है। उन्हें मक्का, गेहूं और सोयाबीन की आवश्यकता है, और हम केवल अपने अमेरिकी किसानों के माध्यम से इसकी आपूर्ति करेंगे। बशर्ते हम उस स्थिति तक पहुंच जाएं जहां हमें पहुंचना चाहिए।'

क्या ईरान ने अमेरिका की सभी शर्तें मान ली?

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने चल रही राजनयिक वार्ता में लगभग सभी अमेरिकी शर्तों को मान लिया है। इसके साथ ही इस बात पर जोर दिया कि चर्चा का प्राथमिक उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि वे हमारी लगभग सभी जरूरतों पर सहमत हो गए हैं।'

क्या है एसएनएपी?

सीबीएस न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि सप्लीमेंटल न्यूट्रिशन असिस्टेंस प्रोग्राम (एसएनएपी), जिसे फूड स्टैम्प के नाम से भी जाना जाता है। भुगतान संबंधी बंधी त्रुटियों के कारण अरबों डॉलर का नुकसान झेल रहा है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, SNAP ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिकी परिवारों को 95.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लाभ दिया। जिसका अर्थ है कि भुगतान त्रुटियों के कारण कार्यक्रम के कुल खर्च का लगभग दसवां हिस्सा हुआ। वहीं, अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने उज्बेकिस्तान की संसद के अध्यक्ष के साथ अपनी बैठक के दौरान कहा कि अमेरिका को यह स्वीकार करना होगा कि ईरान के साथ इस्राइल-अमेरिका संघर्ष के बाद वास्तविकताएं बदल गई हैं। उन्होंने ने कहा, 'हालात पहले से बेहतर हुए हैं। युद्ध के बाद के घटनाक्रमों ने अमेरिकियों को मौजूदा वास्तविकताओं को स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया है। ऐसे माहौल में व्यापारिक संबंधों को और आगे बढ़ाया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि प्रतिबंध हटाने की नींव भी रखी जाएगी।'

BLA ने बलोचिस्तान में फिर मचाया गदर, फिदायीन हमले में मारे गए पाकिस्तानी फौज के 30 जवान

बलूचिस्तान, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले के जीवानी क्षेत्र में स्थित पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के एक कैंप पर शुक्रवार शाम फिदायीन हमला हुआ। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि इसमें 30 से अधिक पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मी मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि पाकिस्तान की सेना और सरकार ने अभी तक इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक,यह फिदायीन हमला शुक्रवार शाम करीब 6:32 बजे हुआ। इसे BLA की विशेष इकाई मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया। BLA ने दावा किया कि अत्ताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल नाम के एक आत्मघाती हमलावर ने स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 6:32 बजे विस्फोटकों से भरे माजदा ट्रक को कड़ी सुरक्षा वाले धे कोस्ट गार्ड कैंप में घुसा दिया, जिससे एक भीषण विस्फोट हुआ। विस्फोट से पूरे इलाके में दहशत फैल गई और कैंप को भारी नुकसान पहुंचा। BLA के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने एक बयान जारी कर दावा किया कि शक्तिशाली विस्फोट के कारण कोस्ट गार्ड का पूरा किला जैसा कैंप मलबे में बदल गया। संगठन के मीडिया विंग हक्काल ने 43 सेकंड का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें दावा किया गया कि विस्फोट से ठीक पहले विस्फोटकों से भरा ट्रक शिविर में प्रवेश कर रहा था। समूह ने कहा कि बाद में सामने आए फुटेज से पता चला कि सैन्य शिविर का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया। BLA के अनुसार, आत्मघाती विस्फोट के तुरंत बाद उसकी फतेह स्क्वाड ने चारों ओर से कैंप पर समन्वित जमीनी हमला किया। संगठन का दावा है कि उसके लड़ाकों ने बचे हुए सुरक्षा कर्मियों के साथ आमने-सामने की लड़ाई की और इस अभियान के दौरान 30 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को मार डाला। BLA के प्रवक्ता का कहना है कि घायलों और मलबे के नीचे फंसे कर्मियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। BLA ने कहा कि वह जल्द ही अपने आधिकारिक चैनलों के माध्यम से हमले का विस्तृत विवरण जारी करेगा। प्रतिबंधित संगठन ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ उसका सशस्त्र अभियान तब तक उसी तीव्रता के साथ जारी रहेगा जब तक कि उसे बलूचिस्तान की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो जाती। वहीं इस हमले के बाद पाकिस्तान की सेना और सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। न ही BLA द्वारा किए गए हताहतों के दावे की पुष्टि हुई है और न ही कैंप को हुए नुकसान का आधिकारिक विवरण सामने आया है।

खतरनाक हीटवेव से अमेरिका बेहाल, 250वें स्वतंत्रता दिवस के कई कार्यक्रम रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। ईस्ट कोस्ट के कई राज्यों में पड़ रही खतरनाक हीटवेव की वजह से 250वें स्वतंत्रता दिवस (4 जुलाई) के कई कार्यक्रम प्रभावित हो गए हैं। तेज गर्मी के कारण कई जगह परेड रद्द करनी पड़ी, कुछ कार्यक्रमों का समय बदल दिया गया और लोगों को घर से कम निकलने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी मौसम विभाग (NWS) के मुताबिक, शुक्रवार को राजधानी वॉशिंगटन डीसी में हीट इंडेक्स, यानी शरीर को महसूस होने वाला तापमान करीब 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसी वजह से नेशनल मॉल में लगने वाला ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर शुक्रवार दोपहर कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया। आयोजकों ने कहा कि लोगों, कलाकारों, कर्मचारियों और वॉलंटियर्स की सुरक्षा सबसे जरूरी है।

गर्मी की वजह से वर्जीनिया के लीसबर्ग और मैरीलैंड के लॉरेल और टकोमा पार्क में होने वाली स्वतंत्रता दिवस परेड भी रद्द कर दी गई। हालांकि, हर साल होने वाला कैपिटल फोर्थ कॉन्सर्ट तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होगा। लेकिन गर्मी को देखते हुए लोगों के प्रवेश का समय बदल दिया गया है। अब गेट शाम 7 बजे खुलेंगे और कार्यक्रम रात 8 बजे शुरू होगा। पुलिस ने लोगों से पर्याप्त पानी साथ लाने, शरीर में पानी की कमी न होने देने और गर्मी से बचाव करने की अपील की है।

इस कार्यक्रम में पैटी ला बेले, एलन जैक्सन, शिकागो, कूल एंड द गैंग, नेशनल सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा, यूएस आर्मी बैंड, कोरल आर्ट्स सोसायटी ऑफ वॉशिंगटन और जॉइंट आर्म्ड फोर्सेज कोरस प्रस्तुति देंगे। गुरुवार शाम होने वाली इसकी रिहर्सल भी भीषण गर्मी के कारण आम लोगों के लिए रद्द कर दी गई। इस बार यह कॉन्सर्ट 4 जुलाई की जगह 3 जुलाई को रखा गया है, क्योंकि 4 जुलाई को नेशनल मॉल में फ्रीडम 250 के तहत विशेष आतिशबाजी और अन्य बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साउथ डकोटा के माउंट रशमोर में भाषण देंगे और आतिशबाजी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद शनिवार शाम वह वॉशिंगटन के नेशनल मॉल में भी भाषण देंगे, जहां बड़े स्तर पर आतिशबाजी की जाएगी। गर्मी का असर सिर्फ समारोहों पर ही नहीं पड़ा है। बोस्टन, नॉरिस्टाउन (पेनसिल्वेनिया) और गेटिसबर्ग नेशनल मिलिट्री पार्क में भी कार्यक्रमों में बदलाव किए गए हैं। वहीं, एमट्रैक ने उत्तर-पूर्वी अमेरिका की कुछ ट्रेनें रद्द कर दी हैं, क्योंकि तेज गर्मी से रेलवे ट्रैक प्रभावित हो सकते हैं।

ब्रिटेन के कैमब्रिजशायर में पहले हिंदू मंदिर का सपना टूटा, चर्च और मुस्लिम समूह को मिली जमीन

ब्रिटेन, एजेंसी। ब्रिटेन के कैमब्रिजशायर में पहला हिंदू मंदिर बनाने की योजना को बड़ा झटका लगा है। यहां के साउथ कैमब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल ने मंदिर के लिए मांगी गई जमीन हिंदू संगठन को देने के बजाय चर्च के नेतृत्व वाले एक प्रोजेक्ट को देने का फैसला किया है। यह जमीन 999 साल की लीज पर दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट में चर्च के साथ-साथ स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लिए नमाज की जगह और एक शिक्षा केंद्र भी बनाया जाएगा।

नॉर्थस्टो शहर के स्थानीय लोगों ने हिंदू समाज नॉर्थस्टो (HSN) नाम से एक चैरिटी बनाई थी। इस संगठन ने उस जमीन पर हिंदू मंदिर के साथ एक इंटरफेथ और वेलनेस सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन काउंसिल ने प्रस्तावों की जांच के बाद HSN को 65% अंक दिए, जबकि नॉर्थस्टो चर्च नेटवर्क (NCN) को 81% अंक मिले। इसी आधार पर जमीन NCN को दे दी गई। NCN की योजना में स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक स्थायी इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र भी शामिल है। नॉर्थस्टो मुस्लिम समुदाय का कहना है कि शहर में 200 से ज्यादा मुस्लिम रहते हैं और उन्हें पांचों वक्त की नमाज के लिए स्थायी जगह की जरूरत है।

स्थानीय हिंदू समुदाय काफी निराश

इस फैसले से स्थानीय हिंदू समुदाय काफी निराश है। HSN की अध्यक्ष अपर्णा निगम-सक्सेना ने कहा कि उन्हें इस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल हैं। उनका कहना है कि संगठन को वित्तीय रिकॉर्ड कम होने के कारण कम अंक दिए गए, लेकिन पहले यह नहीं बताया गया था कि यह मूल्यांकन का इतना अहम हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि अगर पहले से साफ दिशा-निर्देश मिलते, तो वे सभी जरूरी दस्तावेज और आर्किटेक्ट की रिपोर्ट तैयार कर सकते थे। HSN अब इस फैसले के खिलाफ अपील करने पर विचार कर रहा है।

कैमब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी हिंदू मंदिर नहीं है। यहां रहने वाले हिंदू परिवारों को पूजा करने के लिए बर्मिंघम या लंदन के वेम्बली तक करीब दो घंटे का सफर करना पड़ता है। स्थायी मंदिर नहीं होने के कारण गणेश उत्सव, महाशिवरात्रि और हवन जैसे धार्मिक कार्यक्रम ठीक से नहीं हो पाते। कई बार पूजा की मूर्तियों को बैग या गैराज में रखना पड़ता है, जिससे उनके खराब होने का खतरा रहता है।

संस्कृति से दूर हो रही नई पीढ़ी

नॉर्थस्टो में रहने वाली 16 साल की एयवा ने कहा कि उन्होंने कभी पूरी रात चलने वाली महाशिवरात्रि या हवन जैसे धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लिया। उनका कहना है कि भारत में रहने वाले उनके रिश्तेदार अपने त्योहार पूरे उत्साह से मनाते हैं, लेकिन ब्रिटेन में रहने वाली नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपनी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से दूर होती जा रही है।

वहीं, काउंसिल की सदस्य डॉ। लिसा रेडरप ने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों का मूल्यांकन पहले से तय नियमों और समान मानदंडों के आधार पर किया गया। उनके अनुसार, हर संगठन को अपने प्रोजेक्ट की जरूरत, वित्तीय तैयारी और धार्मिक आवश्यकताओं की पूरी जानकारी देना जरूरी था, और उसी आधार पर अंतिम फैसला लिया गया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तबीयत बिगड़ी, ठाणे के अस्पताल में भर्ती

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे को शनिवार (4 जुलाई) को ठाणे के जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें कल (शुक्रवार) से हल्का बुखार, , शरीर में दर्द और थकान शिकायत थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी।

अस्पताल के सूत्रों के अनुसार शिवसेना प्रमुख का रूटीन चेकअप किया जा रहा है। उनकी हालत स्थिर है और घबराने की कोई बात नहीं है। दरअसरल शिंदे शुक्रवार से ही अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें रूटीन मेडिकल जांच कराने की सलाह दी थी। फिलहाल अस्पताल में डॉक्टरों की एक टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है और कई टेस्ट किए जा रहे हैं।

डॉक्टर कर रहे जांच

सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर बुखार और थकान का कारण जानने के लिए जरूरी जांच कर रहे हैं। फिलहाल अस्पताल या उपमुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से कोई आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही शिंदे के स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की जा सकती है।

'जल्द काम पर लौटेंगे शिंदे'

इधर शिवसेना के वरिष्ठ नेता और सरकारी अधिकारी डॉक्टरों और अस्पताल अधिकारियों के संपर्क में हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि शिंदे उपचार पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और मेडिकल जांच पूरी होने के बाद जल्द अपने काम पर लौटेंगे।

बुखार और थकान की शिकायत

महाराष्ट्र में मानसून का मौसम चल रहा है, जिसके चलते वायरल संक्रमण, मौसमी फ्लू और थकान से संबंधित बीमारियां आम तौर पर देखी जाती हैं। लोगों को अक्सर इस मौसम में इस तरह की शिकायत होती है। शिंदे को भी बीते दिन इसी तरह की शिकायत थी। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह एहतियाती कदम है और उनकी सेहत स्थिर है और वो जल्द ही अपने काम पर लौटेंगे।

'पैसा गबन करने वालों को मिले फांसी की सजा'... राम मंदिर चंदा चोरी पर बोले महंत दिनेन्द्र दास

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या में दान की रकम के गबन के मामले पर महंत दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा, "जिन्होंने ऐसा किया। उन्हें फांसी दी जानी चाहिए। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेन्द्र दास ने कहा कि, "चोरों को जेल भेज दिया गया है। प्रशासन इस मामले में तेजी से कार्रवाई कर रहा है। चोरों को सजा जरूर मिलेगी और पैसे भी वापस लाए जा रहे हैं। राम लला के खिलाफ चोरी करने वालों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

यह बयान तब आया है जब एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) वित्तीय गड़बड़ियों की जांच को और आगे बढ़ाने के लिए मंदिर परिसर पहुंची। राज्य सरकार ने हाल ही में SIT को 15 दिन का और समय दिया है और जांच का दायरा बढ़ाया है ताकि इसमें शामिल पूरे नेटवर्क की पूरी तरह से जांच हो सके।

राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ी के मामले पर, राम लला के पूर्व पक्षकार महंत धर्मदास ने कहा, "SIT जो जांच कर रही है, उसमें समय लगेगा। यह कोई मामूली बात नहीं है। राम जन्मभूमि का मुद्दा आस्था से जुड़ा है। SIT का काम ये पक्का करना है कि ऐसे कामों के लिए जो भी जिम्मेदार हो, उसे सजा मिले। हमें भरोसा है कि SIT निष्पक्ष जांच करेगी। CM योगी आदित्यनाथ इसकी देखरेख कर रहे हैं और वह समझते हैं कि मंदिर और आश्रम कैसे चलते हैं।

उन्होंने कहा कि SIT की जांच की अवधि 15 दिन बढ़ाना एक बहुत अच्छा कदम है। अगर पुलिस सच का पता लगाने के लिए ठान ले, तो उनके पास किसी से सच उगलवाने के कई तरीके होते हैं। अगर पैसा देवता का है, तो संपत्ति भी देवता के नाम पर होनी चाहिए। इसके बजाय, ट्रस्ट ने सब कुछ अपने नाम पर रजिस्टर करवा लिया है। मैं चाहता हूं कि ट्रस्ट को भंग कर दिया जाए और देवता को चढ़ाई गई सारी संपत्ति देवता के नाम पर रजिस्टर की जाए।"

इस सख्त कार्रवाई के बीच, जांच से जुड़ी कुछ अहम बातें सामने आने लगी हैं। वहीं आरोपी रामाशंकर मिश्रा की भाभी साधना मिश्रा ने उनकी बेगुनाही के पक्ष में अपनी चुप्पी तोड़ी है। तथ्यों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए उन्होंने कहा, "दोषियों को सजा मिलनी चाहिए और बेगुनाहों को रिहा किया जाना चाहिए।"

पत्नी आरती के साथ नजर आए सुनील ग्रोवर, फैंस ने लुटाया प्यार

सुनील ग्रोवर उनकी पत्नी आरती ग्रोवर को सार्वजनिक तौर पर एक साथ कम ही देखा गया है। हाल ही में दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता सुनील ग्रोवर को हाल ही में उनकी पत्नी आरती ग्रोवर के साथ मुंबई में देखा गया। दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे घूमते नजर आए। आम तौर पर अपनी पर्सनल लाइफ को छुपाकर रखने वाले इस कपल को कैमरे के सामने देखकर फैंस काफी खुश हैं।

सिंपल और खूबसूरत लुक

सुनील ग्रोवर और उनकी पत्नी आरती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आरती और सुनील का यह सादगी भरा अंदाज सोशल मीडिया पर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट्स में लिख रहे हैं कि यह कपल कितना सीधा-साधा और खूबसूरत है।

इस दौरान सुनील ग्रोवर ने सफेद टी-शर्ट, काले रंग का ब्लेजर और ढीली-ढाली ब्लू कार्गो पैंट पहनी हुई है, जबकि आरती ग्रोवर ने धारीदार फुल-स्लीव टॉप और काली ढीली पैंट पहनी है। इसके साथ ही उन्होंने एक सिंपल बैग कैरी किया था।

कौन हैं आरती ग्रोवर?

आरती पेशे से एक इंटीरियर डिजाइनर हैं। उन्होंने खुद अपने दो-मंजिला मुंबई वाले घर को बहुत ही खूबसूरती से सजाया है। सुनील ग्रोवर भी अपनी पत्नी के इस हुनर की जमकर तारीफ करते हैं। आरती का मानना है कि घर ऐसा होना चाहिए, जो दिल को सुकून दे, न कि सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिए हो।

सुनील और आरती की शादी

सुनील और आरती की शादी को कई साल हो चुके हैं और उनका 'मोहन' नाम का एक बेटा भी है। दोनों अपनी निजी जिंदगी को मीडिया से दूर रखना पसंद करते हैं। सुनील ग्रोवर को हाल ही में नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में देखा गया।

मुंबई में पानी की कमी से परेशान कनिका महेश्वरी, बोलीं-अब हर बूंद का हिसाब रखना पड़ता है

टीवी अभिनेत्री कनिका महेश्वरी ने मुंबई में बढ़ते जल संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पानी की कमी एक ऐसी समस्या है, जो लोगों की पूरी दिनचर्या बदल देती है। उन्होंने सरकार से इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की।

कनिका महेश्वरी ने कहा, पानी की कमी का असर हर छोटे-बड़े काम को प्रभावित करता है। जब सुबह उठते ही यह चिंता हो कि खाना बनाने, सफाई करने या रोजमर्रा की साफ-सफाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा या नहीं, तब समझ आता है कि पानी जैसी जरूरी चीज कितनी अनमोल है। हम अक्सर शहर के विकास और बेहतर सुविधाओं की बात करते हैं, लेकिन सम्मानजनक जीवन की सबसे पहली जरूरत नियमित और साफ पानी है। कनिका ने कहा, लगातार पानी की कमी लोगों को अपनी जीवनशैली बदलने पर मजबूर कर देती है। पहले जहां लोग आराम से शॉवर लेते थे, वहीं अब पानी बचाने के लिए बाल्टी से नहाना पड़ता है। हर लीटर पानी सोच-समझकर इस्तेमाल करना पड़ता है। आप अपनी जरूरतों से ज्यादा पानी की खपत का हिसाब लगाने लगते हैं। यह परेशानी हजारों परिवार हर दिन झेलते हैं। जब तक कोई खुद इस स्थिति से नहीं गुजरता, तब तक उसके मानसिक बोझ को समझ पाना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि जल प्रबंधन को लंबे समय की योजना के रूप में देखा जाए। शहर लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए पानी की व्यवस्था भी उसी हिसाब से मजबूत होनी चाहिए। लोगों को हर बार पानी की कमी के हिसाब से अपनी जिंदगी ढालने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। साफ और नियमित पानी की आपूर्ति कोई सुविधा नहीं, बल्कि हर परिवार का बुनियादी अधिकार है।

कनिका ने कहा, पानी बचाने की आदत सिर्फ संकट के समय नहीं होनी चाहिए। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में भी पानी की बर्बादी रोकनी होगी। जहां रिसाव हो, उसे तुरंत ठीक कराना चाहिए। जितना संभव हो, पानी का दोबारा इस्तेमाल करना चाहिए और छोटी-छोटी सावधानियां अपनानी चाहिए। अगर हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे तो हम मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आज बचाई गई हर बूंद आने वाले कल को सुरक्षित बना सकती है।

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान, स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

चेतना पांडे ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।

चेतना ने कहा, मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।

चेतना ने कहा, मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।

हॉन्टेड 3डी फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com